जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 232 प्रभात बीकानेर, बुधवार 18 मार्च, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

क्या कांग्रेस विघटन की ओर अग्रसर है?

तीन राज्यों में कांग्रेस विधायकों ने पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ वोट किया

- चर्चाओं के अनुसार, राज्यसभा चुनावों में भाजपा का प्रलोभन कम नहीं थाः 5 करोड़ रूपए व एक फॉर्च्यूनर।
- सहयोगी दलों में भी यह भावना फैल रही है, और दुख की बात है कि कांग्रेस में अब जवाबदेही व जिम्मेवारी निभाने की प्रवृत्ति खत्म हो रही है।
- राज्यों के नये-नये प्रभारी वो लोग हैं, जो कांग्रेस के आम कार्यकर्ताओं से संवाद नहीं कर पाते, अतः ये प्रभारी अपना मैसेज स्पष्ट रूप से व सख्ती से आगे पार्टी के कार्यकर्ताओं को पहुंचा नहीं पाते हैं और इससे पार्टी में अनुशासन लागू नहीं हो पाता।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। पार्टी नेतृत्व खुद को बेबस महसूस कर रहा है, क्योंकि तीन राज्यों में हुए राज्यसभा चुनावों में विधायकों ने पार्टी लाइन के खिलाफ वोट किया। आरोप है कि भाजपा ने भारी धनराशि के प्रस्ताव देकर उन्हें अपने पक्ष में कर लिया।

चुनाव प्रबंधन और पार्टी संचालन के तरीके को लेकर सवाल उठ रहे हैं, खासकर राहुल गांधी और उनकी टीम की कार्यशैली पर।

हरियाणा में पांच कांग्रेस विधायकों ने आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ मतदान किया, जबकि चार विधायकों के वोट भारत निर्वाचन आयोग द्वारा खारिज कर दिए गए। कांग्रेस उम्मीदवार केवल 0.03 प्रतिशत अंतर से जीत सका, वह भी इसलिए कि एक भाजपा विधायक का वोट अमान्य हो गया था।

इसके अलावा, इंडियन नैशनल लोक दल (आईएनएलडी) के दो विधायकों को मतदान नहीं करने दिया गया। यह भाजपा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की रणनीतिक चूक मानी जा रही है, जिन्हें लगा था कि उनके वोट नहीं पड़ेंगे तो भाजपा दूसरे वरीयता वोटों से जीत जाएगी।

कांग्रेस उम्मीदवार की जीत किस्मत से हुई और कहा जा रहा है कि वे बाल-बाल बच गए। वे राहुल गांधी के पसंदीदा उम्मीदवार थे, लेकिन हरियाणा कांग्रेस में नेता और कार्यकर्ता, दोनों ही उन्हें ज्यादा नहीं जानते थे।

ओडिशा में बीजू जनता दल-कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि कांग्रेस के तीन विधायकों ने भाजपा के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की। भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप रे ने चुनाव जीत लिया। वे तीसरी बार राज्यसभा में प्रवेश कर रहे हैं।

ओडिशा में सोफिया फिरदौस, जो पार्टी नेतृत्व की करीबी मानी जाती हैं, ने भी भाजपा के पक्ष में मतदान किया। अन्य दो विधायक, जो जिला अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने भी पार्टी के खिलाफ वोट दिया। इससे राहुल गांधी द्वारा जिला अध्यक्षों को सशक्त बनाने की रणनीति पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बिहार में भी कांग्रेस-राजद गठबंधन के उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि कांग्रेस के तीन विधायकों और राष्ट्रीय जनता दल के एक विधायक ने पार्टी लाइन के खिलाफ मतदान किया।

इस घटनाक्रम के बाद, राजद में कांग्रेस के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। सहयोगी दलों में यह धारणा बनती जा रही है कि कांग्रेस पार्टी कमजोर हो रही है और उसमें जवाबदेही की कमी है।

वरिष्ठ नेताओं पर भी कार्रवाई न होने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है कि राहुल गांधी ने कई प्रभारियों की नियुक्ति की है, जो न तो जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद कर पा रहे हैं और न ही पार्टी में अनुशासन कायम कर पा रहे हैं।

एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, यह कांग्रेस के लिए कुल मिलाकर बुरी खबर है, पार्टी बिखरती नज़र आ रही है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि विधायकों को लुभाने के लिए लगभग 5 करोड़ रुपये और एक फॉर्च्यूनर जैसी पेशकश की गई।

बच्चा गोद लेने वाली महिला को भी मातृत्व अवकाश मिलेगा

नई दिल्ली, 17 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिए एक महत्वपूर्ण फैसले में बच्चा गोद लेने वाली सभी माताओं के लिए 12 सप्ताह के मातृत्व अवकाश के रास्ते खोल दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मातृत्व लाभ को तीन माह से कम उम्र के बच्चों को गोद लेने तक

- सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक सुरक्षा कोड में संशोधन किया।

सीमित करने वाले कानून को भेदभाव वाला बताते हुए पुनर्परिभाषित कर दिया है।

शीर्ष अदालत ने सामाजिक सुरक्षा कोड की धारा 60(4) को बच्चा गोद लेने वाली माताओं के साथ भेदभाव करने वाला करार दिया है। यह धारा बच्चा गोद लेने वाली माताओं के लिए मातृत्व अवकाश को सीमित करती थी। इसमें कहा गया है कि बच्चा गोद लेने वाली माताएं मातृत्व लाभ पाने की तभी पात्र होंगी, जब गोद लिया गया बच्चा तीन महीने से कम उम्र का हो।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब किसी भी उम्र का यानी तीन महीने से ज्यादा आयु का बच्चा गोद लेने वाली माताओं को भी मातृत्व अवकाश मिल सकेगा। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब अमेरिका इज़रायल ग्रुप का ईरान से वार्ता करना और कठिन हुआ

ईरान के पुराने प्रतिष्ठित राजनीतिज्ञ व कुटनीतिज्ञ लारिजानी भी मारे गए, मंगलवार को इज़रायल की बमबारी में

- अब, जब यूरोपीय देशों ने व नाटो के सदस्यों ने अमेरिका-इज़रायल के ईरान के साथ हो रहे युद्ध में भागीदार बनने से साफ मना कर दिया तो अमेरिका-इज़रायल को ईरान के उस नेता को ढूंढना जरूरी हो गया था, जिससे वे किसी भी तरह से युद्ध समाप्ति व शांति स्थापित करने की बात कर सकें।
- अली लारिजानी, ग्यारह साल ईरान की संसद के स्पीकर रहे हैं तथा उनका परिवार ईरान के राजनीतिक हल्कों में काफी असरदार माना जाता है। अली के पांच भाई हैं और ईरान की राजनीति में निर्णायक पदों पर रहे हैं। एक भाई तो ईरान की न्यायपालिका के कई साल मुखिया रहे हैं।
- अब विश्व के अन्य देशों को भी ऐसा नेता ढूंढना मुश्किल हो जाएगा, जो व्यवहारिक हो तथा अपने राजनीतिक रुतबे के कारण युद्ध की समाप्ति की बात कर सके।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। मंगलवार को इज़रायली हमले में ईरान के एक और प्रमुख नेता की हत्या कर दी गई, जिससे देश नेतृत्व विहीन होकर और भी गहरे राजनीतिक संकट में फंस गया है। अली लारिजानी, जो ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रमुख थे, और कथित तौर पर सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मृत्यु के बाद व्यावहारिक रूप से देश का नेतृत्व कर रहे थे, इस हमले में मारे गए।

अली खामेनेई की हत्या और लगभग 40 अन्य शीर्ष नेताओं के मारे जाने के बाद, ईरान में सत्ता का बड़ा खालीपन पैदा हो गया था, जिसे आंशिक रूप से लारिजानी भर रहे थे।

खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में चुने गए उनके दूसरे बेटे मोजतबा खामेनेई के भी एक अन्य हमले में गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। शीर्ष पद पर चुने जाने और उनके घायल होने की खबरों के बाद से मोजतबा को न तो व्यक्तिगत रूप से देखा गया और न ही उनकी आवाज़ सुनी गई है। इसके बदले, उनके संदेश पढ़कर सुनाए जा रहे हैं।

लारिजानी, जो ईरान की राजनीतिक संरचना के शीर्ष स्तरों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल के बाद असम और तमिलनाडु में भी अफसर बदले चुनाव आयोग ने

इन राज्यों के कई जिलों में पुलिस प्रमुखों को हटाने का आदेश दिया

- असम में चुनाव आयोग ने पांच जिलों के पुलिस प्रमुखों को हटाने के साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार की चुनाव ड्यूटी से दूर रखने का निर्देश दिया। यही नहीं, असम के मुख्य सचिव से बुधवार तक अनुपालना रिपोर्ट देने को कहा है।
- आयोग ने तमिलनाडु में भी चार जिलों के पुलिस प्रमुखों को हटाया है तथा उन्हें चुनाव ड्यूटी में वंचित कर दिया है।
- चुनाव आयोग ने 2010 से 2021 के बैच के योग्य अफसरों की लिस्ट भी मांगी है, ताकि, उन्हें चुनाव ड्यूटी पर लगाया जा सके।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। भारत के चुनाव आयोग ने चुनाव वाले राज्यों में प्रशासनिक बदलाव तेज कर दिए हैं। केवल पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि असम और तमिलनाडु में भी कई जिला पुलिस प्रमुखों को हटाया गया है, ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें।

असम में चुनाव आयोग ने पाँच जिला पुलिस प्रमुखों को हटा दिया है। माजुली, साउथ सलमारा, सदिया, चिरांग और धेमाजी के एसएसपी का तबादला किया गया है। आयोग ने निर्देश दिया है कि जिन अधिकारियों का तबादला हुआ है, उन्हें चुनाव संबंधी किसी भी ड्यूटी में तैनात न किया जाए। आयोग ने असम के मुख्य सचिव से बुधवार तक अनुपालन रिपोर्ट देने को भी कहा है।

इन तबादलों के साथ ही, चुनाव आयोग ने 2010 से 2021 बैच के आईएएस अधिकारियों के नाम मांगे हैं, ताकि उन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी (डिस्ट्रिक्ट इलैक्शन ऑफिसर्स-डीईओ) के रूप में तैनात करने पर विचार किया जा सके। मुख्य सचिव से कहा गया है कि वे योग्य अधिकारियों की सूची समीक्षा के लिए आयोग को भेजें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा में 8 विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द

नई दिल्ली, 17 मार्च। लोकसभा ने मंगलवार को विपक्ष के आठ सदस्यों का निलंबन वापस ले लिया। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सदन में यह प्रस्ताव पेश किया, जिसका ध्वनिमत से सभी ने समर्थन किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के साथ सोमवार को सभी दलों के नेताओं संग हुई बैठक में इस मुद्दे को लेकर पक्ष-

- केन्द्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने इसका प्रस्ताव रखा जिसका सभी ने ध्वनिमत से समर्थन किया।

विपक्ष में चल रही तनातनी का हल निकालने के लिए इन सदस्यों का निलंबन खत्म करने पर यह सहमति बनी थी। इन सदस्यों में सर्वश्री गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, एडवोकेट डीन कुरियाकोस, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, बी. मणिक्कम टैगोर, डॉ. प्रशांत यादवराव पाडोले, चामला किरण कुमार रेड्डी और एस. वेंकटेशन थे।

वरुण गांधी लौट के मोदी की शरण में आए

वरुण गांधी ने एक्स पर मोदी के साथ अपने परिवार की फोटो पोस्ट की

- पोस्ट में वरुण गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ की और कहा, प्रधानमंत्री से उन्हें पिता जैसा स्नेह व संरक्षण का भाव मिला। मुझे यकीन है, वे देश की जनता के सच्चे संरक्षक हैं।
- समझा जाता है कि वरुण को प.बंगाल चुनाव में बड़ी जिम्मेवारी दी जा सकती है, क्योंकि उनकी पत्नी यामिनी रॉय चौधरी बंगाली हैं और वरुण गांधी वहाँ दामाद वाली भावनाएं जगाकर पार्टी को लाभ दिला सकते हैं।
- ज्ञातव्य है कि वरुण गांधी 2021 के किसान आंदोलन के समय से ही पार्टी नेतृत्व के विरोधी रहे हैं, मुफ्त राशन, वंदे मातरम्, जैसे मुद्दों पर उन्होंने पार्टी के रुख की कड़ी आलोचना की थी और एक समय यह चर्चा भी थी कि वे कांग्रेस में चले जाएंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। पूर्व पीलीभीत सांसद वरुण गांधी, भाजपा नेतृत्व के साथ लंबे समय तक तनावपूर्ण संबंधों के बाद, आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव अभियान में एक बड़ी भूमिका निभाते हुए नज़र आ सकते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, खासकर 2021 के किसान आंदोलन से शुरू होकर, वरुण का पार्टी नेतृत्व से टकराव होता रहा है। विशेष रूप से लखीमपुर खीरी हिंसा में किसानों की मौत पर किए गए उनके आलोचनात्मक ट्वीट्स के बाद यह टकराव और खुलकर सामने आ गया था। इससे पहले, उन्होंने बेरोज़गारी, सरकारी पदों का खाली रहना और केन्द्र सरकार की कई नीतियों पर सरकार और भाजपा की आलोचना की थी, जिसमें प्रमुख उज्ज्वला योजना में मौजूद कमियों की बात भी शामिल थी। उन्होंने सरकार की मुफ्त राशन योजना की भी आलोचना करते हुए कहा था कि मुफ्त राशन बेरोज़गारी का विकल्प नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा था कि "जय श्री राम" और "भारत माता की जय" जैसे नारे समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते।

इस बीच ऐसी चर्चाएँ भी थीं कि वे कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। उसी दौरान बद्रीनाथ में उन्हें राहुल गांधी के साथ भी देखा गया था।

मंगलवार को वरुण ने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर साझा की, जिसमें उनकी पत्नी यामिनी रॉय चौधरी और बेटी अनसूया भी साथ थीं। यह तस्वीर, और उसके साथ की गई वरुण की टिप्पणी, उनके राजनीतिक "वनवास" के अंत का संकेत देती है। उन्होंने प्रधानमंत्री की जमकर प्रशंसा करते हुए लिखा, "मुझे अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री का आशीर्वाद और मार्गदर्शन लेने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री ने पितृसुलभ स्नेह और सुरक्षा की भावना का अनुभव कराया। इस मुलाकात के बाद मुझे और अधिक विश्वास हो गया है कि आप भारत के लोगों के सच्चे संरक्षक हैं।"

भाजपा नेतृत्व द्वारा वरुण को बंगाल अभियान में शामिल करने के दो प्रमुख कारण हैं। पहला, उनकी पत्नी यामिनी के बंगाली हैं, इसलिए वे "दामाद" वाली भावना को भुना सकते हैं। दूसरा, वरुण का बंगाल के युवाओं से पुराना जुड़ाव और अनुभव है, क्योंकि 2013 में वे भाजपा के महासचिव के रूप में राज्य की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

वरुण के प्रदर्शन के आधार पर यह भी संभव हो सकता है कि आने वाले महीनों में खाली होने वाली उत्तर प्रदेश की किसी सीट से उन्हें राज्यसभा में समायोजित कर दिया जाए।

टीएमसी ने सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किये

कोलकाता, 17 मार्च। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस बार 52 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जिसमें युवा तथा अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की गई है।

- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वापस भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी।

भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस बार भी इसी सीट से चुनाव लड़ेंगी। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि दार्जिलिंग क्षेत्र की तीन सीटों पर तृणमूल चुनाव नहीं लड़ेगी।

पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कालीघाट स्थित अपने आवास से 294 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। ममता बनर्जी ने कहा कि जिन नेताओं को इस बार टिकट नहीं दिया गया है, उन्हें पार्टी संगठन में अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 के चुनाव में नंदीग्राम से भी चुनाव लड़ी थीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब गुजरात में लागू होगी यूसीसी

नई दिल्ली, 17 मार्च। गुजरात में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू होने की तैयारी तेज हो गई है। उच्च स्तरीय समिति ने आज मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को यूसीसी की ड्राफ्ट रिपोर्ट सौंप दिया। यह रिपोर्ट तीन खंडों में तैयार की गई है। इसमें राज्य के सभी धर्मों व

- सेवा निवृत्त सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश रंजना देसाई ने यूसीसी की ड्राफ्ट रिपोर्ट मुख्यमंत्री पटेल को सौंपी।

समुदायों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने जैसे मुद्दों पर एकसमान कानूनी ढ ांचे की सिफारिशें शामिल हैं।

समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई ने की। समिति ने विस्तृत अध्ययन किया, जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी अंतर्कलह से हरियाणा की राज्यसभा सीट हारते-हारते बची कांग्रेस

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह की "मिस कैलकुलेशन" ने कांग्रेस को सीट दिला दी

- नायब सिंह सैनी ने इंडियन नैशनल लोकदल के दो विधायकों को वोटिंग से दूर रखा, उन्हें लगा, उनके वोट नहीं पड़ेंगे तो भाजपा का दूसरा प्रत्याशी भी दूसरी वरीयता के वोटों से जीत जाएगा। पर इससे जीत के लिए आवश्यक वोट कम हो गए और कांग्रेस को फायदा मिला।
- हरियाणा विधानसभा में 90 विधायक हैं, इनमें 48 भाजपा के 37 कांग्रेस व दो आइएनएलडी एवं तीन निर्दलीय हैं। आइएनएलडी के वोटिंग से दूर रहने के कारण 88 विधायकों ने ही वोट डाला, पांच वोट अवैध घोषित हुए तो वैध मत 83 ही रह गए, इससे जीत के लिए आवश्यक आंकड़ा 28 वोट का रह गया।
- भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी को 39 वोट मिले, कांग्रेस के प्रत्याशी करमवीर को जीत के लिए आवश्यक 28 वोट मिले व तीसरे प्रत्याशी सतीश नांदल को 16 वोट मिले। अगर भाटिया के 11 सरप्लस वोट दूसरी वरीयता के रूप में नांदल को मिल जाते तो उनके 27 वोट हो जाते, ऐसे में कांग्रेस से एक और क्रॉस वोटिंग होती या भाजपा के एक अवैध मत वैध हो जाता तो से कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ सकता था।
- कांग्रेस के कुल 37 विधायक हैं, 5 ने क्रॉस वोटिंग की और चार वोट अमान्य हो गए, यानि, 9 वोट पार्टी के हाथ से निकल गए। इसके पीछे भूपेंद्र सिंह हुड्डा व कुमारी शैलजा के परस्पर विरोध को कारण माना जा रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। हरियाणा में राज्यसभा चुनाव ने एक बार फिर कांग्रेस के भीतर की गहरी दरारों को उजागर कर दिया है। आंतरिक गुटबाजी ने पार्टी की संभावनाओं को भारी नुकसान पहुंचाया और पार्टी राज्यसभा सीट हारते हारते बची, निर्दलीय प्रत्यशी को अनुमान से ज्यादा वोट मिल गए।

वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, भूपिंदर सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा के बीच का तनाव चुनाव के दौरान फिर सामने आ गया, जिससे राज्य इकाई में एकता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। इसका असर मतदान के पैटर्न में दिखा, जहां कांग्रेस के कम से कम 5 विधायकों ने कथित तौर पर क्रॉस-वोटिंग की, जबकि चार अन्य के वोट अमान्य घोषित हो गए।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह नेतृत्व की विफलता का मामला है। उनका मानना है कि विपक्ष के नेता और अनुभवी नेता हुड्डा को पार्टी के भीतर बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना चाहिए था। लेकिन आरोप-प्रत्यारोप ने स्थिति और बिगाड़ दी है, और बताया जा रहा है कि हुड्डा खेमे ने शैलजा गुट पर क्रॉस-वोटिंग की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

इस विवाद के बीच, कांग्रेस नेतृत्व अब उन विधायकों की सूची तैयार कर रहा है, जिन पर क्रॉस-वोटिंग का संदेह है, ताकि पार्टी के राज्यसभा प्रयास को नुकसान पहुंचाने वालों की पहचान की जा सके।

इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) ने मतदान प्रक्रिया से दूरी बनाए रखी। पार्टी नेताओं, अभय सिंह चौटाला और आदित्य देवी लाल ने कहा कि यह फैसला जनभावना को ध्यान में रखकर लिया गया, हालांकि उनकी अनुपस्थिति ने भी अंतिम परिणाम को प्रभावित किया।

90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में आईएनएलडी के दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कला का अंतिम और सर्वोच्च ध्येय सौंदर्य है। -गेटे

सांस्कृतिक धरोहर रवींद्र मंच को बचाने की मुहिम

राजस्थान की राजधानी जयपुर को केवल उसके आमेर के महल, शहर के बीच स्थित हवामहल और जंतरमंतर और नगर के गुलाबी रंग से ही नहीं पहचाना जाता है, बल्कि यह शहर कला, साहित्य और संस्कृति का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। कभी यह छोटी काशी कहलाया। उसकी इसी सांस्कृतिक पहचान का एक प्रमुख प्रतीक है रवींद्रमंच। दशकों तक यह थियेटर जयपुर और राजस्थान के कलाकारों, नाट्ययकर्मियों, संगीतकारों और साहित्यकारों के लिए एक पवित्र स्थल की तरह रहा है। यहां अनगिनत नाटक, संगीत कार्यक्रम, कवि सम्मेलन, नृत्य प्रस्तुतियां और सांस्कृतिक आयोजन हुए हैं, जिन्होंने शहर की सांस्कृतिक धड़कन को जीवित रखा। लेकिन विडंबना यह है कि आज वही रवींद्रमंच अपनी बदहाली और उपेक्षा की कहानी कह रहा है। जिस स्थान पर कभी कला और संस्कृति का उत्सव मनाये जाते थे, वहां आज अव्यवस्था, जर्जर ढांचे और प्रशासनिक लापरवाही के दृश्य दिखाई देते हैं। यह स्थिति केवल एक भवन की दुर्दशा नहीं है, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और विरासत के प्रति घटती संवेदनशीलता का भी प्रतीक है। वह भी तब जब जयपुर नगर को संयुक्त राष्ट्र संघ ने विरासत के रूप में मान्यता दी है। रवींद्रमंच को फिर से उसके पुराने गौरव में लौटाने के वास्ते शासन का ध्यान खींचने के लिये नगर के वरिष्ठ रंगकर्मियों की एक टोली ने इस रविवार को अफसानानिगार कृशन चन्दर की मशहूर कहानी 'जामुन का पेड़' का नाट्यय रूपांतरण कर उसे रवींद्र मंच पर खेला। दिलचस्प बात यह थी कि इसके लगभग सभी कलाकार 70 वर्ष से अधिक के वे लोग थे जिन्होंने रवींद्रमंच का स्वर्ण युग देखा था। रवीन्द्र मंच का निर्माण भारत सरकार की टैगोर थिएटर योजना के अंतर्गत किया गया था। इसकी परिकल्पना तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और संस्कृति मंत्री हुमायू कबीर ने की थी,जो चाहते थे कि देश के प्रत्येक राज्य की राजधानी में एक सांस्कृतिक रंगमंच स्थापित किया जाए। जयपुर में इसका निर्माण राजस्थान सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा कराया गया और इसका नक्शा पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता परमानंद गजारिया ने तैयार किया। रवीन्द्र मंच मुख्य रूप से जयपुर में नाटक, संगीत-कला और नृत्य आदि ललित कलाओं के संरक्षण व संवर्धन हेतु बना था। दशकों तक यह ललित कलाओं से जुड़े संस्कारों और उन संस्कारों से जुड़ी संस्कृति को बढ़ावा देता रहा। थियेटर और फिल्म जगत के अनगिन अद्भुत और अप्रतिम नामी-गिरामी कलाकार जैसे ओम शिवपुरी, सुधा शिवपुरी, पिन्चू कपूर, असरानी, पाण्डे बहिनें, इरफ़ान ख़ान से लेकर नरेन्द्र गुप्ता तक यहां अपने को मांझते रहे और इसकी जीवन्तता में अपना-अपना योगदान देते रहे। यह मंच उन संघर्षरत कलाकारों के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर रहा है, जिन्हें बड़े मंचों तक पहुंचने का मौका यहीं से मिला। इसकी उपेक्षा केवल एक भवन की उपेक्षा नहीं, बल्कि उन कलाकारों और उनकी मेहनत का भी अपमान है।

रवींद्रमंच का उद्घाटन 15 अगस्त 1963 को हुआ। इसका स्वामित्व और नियंत्रण राजस्थान सरकार के पास था और इसका संचालन राज्य सरकार के कला-संस्कृति विभाग के अधीन रहा। यह वह समय था जब राजनीतिक नेतृत्व तथा प्रशासनिक तंत्र के अधिकारियों में कला और साहित्य की समझ हुआ करती थी और उन्हें बढ़ावा देने का उत्साह भी। उसी के चलते रवींद्रमंच ने अपना स्वर्णकाल देखा। मगर समय के साथ राजनैतिक नेतृत्व और प्रशासनिक तंत्र सामाजिक सरोकारों से दूर होता चला गया जिसके परिणाम स्वरूप कला और संस्कृति के बड़े जतन से बनाए गए रवींद्रमंच जैसे संस्थान अपनी हैसियत खोते चले गए और बाज़ार की ताकतों के हाथों में खेलने वाली ईवेंट आधारित व्यवस्थाएं पसरती चली गईं। नगर की प्राइम लोकेशन स्टेच्यू सर्किल पर इस आशा के साथ बिड़ला ऑडिटोरियम बना कि गुलाबी नगरी में दिल्ली के बराबर गरिमापूर्ण सम्मेलनों के लिये स्थान मिलेगा। मगर वह कुलीनों का होकर रह गया। जवाहर कला केंद्र को वैसी व्यवस्था कभी मिली ही नहीं जिसकी कल्पना मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर के समय उसको बनाते वक़्त की गई। पिछली सरकार ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर बना कर कुलीन वर्ग को नया तोहफा दिया। विधान सभा के निकट कॉन्सटीट्ययूशनल क्लब नाम से जो नया ठिकाना बना है वह भी बड़े लोगों का है। ऐसे में आम आदमी के इकलौते रवींद्र मंच को कौन संभाले! किसी व्यवस्था को खत्म करने के लिये प्रशासनिक अधिकारियों के पास अनेक औजार होते हैं और वे निर्वाचित नेतृत्व को वे बोतल में उतारना जानते हैं। सरकार ने अपनी जिम्मेवारी से पल्ला झाड़ते हुए रवींद्रमंच को स्वायत्त रूप से संचालित करने की दुहाई दे कर रवीन्द्र मंच सोसाइटी नामक संस्था का गठन कर दिया। रवीन्द्र मंच सोसाइटी का गठन इस घोषित उद्देश्य के साथ किया गया कि इस सांस्कृतिक परिसर का प्रबंधन तथा कला-संस्कृति से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहित देना है। मगर शासन ने उसका संचालन कलाकारों और कला प्रेमियों को सौंपने के बजाय अनिच्छुक और अज्ञानी सरकारी अधिकारियों को ही देने की विधिक व्यवस्था कर ली। पंजीकृत रवीन्द्र मंच सोसाइटी के विधान के अनुसार इसका संचालन एक कार्यकारिणी समिति करती है जिसका अध्यक्ष प्राय: राजस्थान सरकार का कला एवं संस्कृति मंत्री या उनके द्वारा नामित वरिष्ठ अधिकारी होता हैं। इसके सभी पदाधिकारी सरकारी अमले से आते हैं। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अधिकारियों के साथ रंगमंच, साहित्य, संगीत, नृत्य और ललित कला से जुड़े विशेषज्ञ, कलाकार के मनोनयन की व्यवस्था जरूर इसके विधान में है। कुल मिलाकर शासन तंत्र ही छद्म रूप में यहां बिराजता है। भले ही कागजों में रवींद्रमंच सोसाइटी शासन तंत्र से अलग एक स्वायत्त संस्थान है किन्तु इसका वित्तीय तथा प्रशासनिक नियंत्रण राजस्थान सरकार के अधिकारियों के हाथ में ही है। रविवार को जब वहां 'जामुन का पेड़' खेला गया तो जयपुर के फिक्रमंद लोग इसे बचाने की मुहिम को नैतिक समर्थन देने के लिये उसके सभागार में खचाखच भरे थे। किसी ने इस बात की परवाह नहीं की कि हॉल में एसी की तो बात छोड़ें पंखे भी नादारद थे, पीने का पानी नहीं था और सभी टॉयलेट इसलिए बंद थे कि वे उपयोग लायक नहीं थे। कभी जयपुर की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रही इस जगह की दुर्दशा पर हर कोई हैरत में था, नाराज था। इसलिए जब नाटक के बाद जोरदार तालियां बजी तो वे कलाकारों की दाद में तो थी हीं, प्रशासन के मुंह पर तमाचा भी थीं।

भले ही कागजों में रवींद्रमंच सोसाइटी शासन तंत्र से अलग एक स्वायत्त संस्थान है किन्तु इसका वित्तीय तथा प्रशासनिक नियंत्रण राजस्थान सरकार के अधिकारियों के हाथ में ही है। रविवार को जब वहां 'जामुन का पेड़' खेला गया तो जयपुर के फिक्रमंद लोग इसे बचाने की मुहिम को नैतिक समर्थन देने के लिये उसके सभागार में खचाखच भरे थे।

अच्छी बात है कि समाज इसे बचाने की मुहिम में शामिल हो रहा है। जामुन का पेड़ के मंचन के बाद किसी भावुक दर्शक ने जेब से 11 हजार रुपये निकाल कर देने की कोशिश की कि रवींद्रमंच की मरम्मत हो सके। नाट्ययकर्मियों ने उसे लेने से इनकार करते हुए उससे कहा कि वह यह राशि मुख्यमंत्री को जाकर दें क्योंकि उनकी सरकार के पास इस विरासत को संभालने के लिये कोष नहीं है। कला प्रेमियों, कलाकारों और सामाजिक संगठनों की आवाज ऐसे ही निर्वाचित शासन तक पहुंचती है। उस शाम रवींद्रमंच पर जामुन का पेड़ देखने पहुंचे लोगों का हुजूम आवाम की आवाज़ थी, जो यह संदेश दे रही थी कि यदि हम अपने सांस्कृतिक केंद्रों और संस्थानों की उपेक्षा करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दूर हो जाएंगी। रवींद्र मंच की वर्तमान स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सचमुच संवेदनशील हैं? क्या हम उन स्थानों को बचाने के लिए तैयार हैं जिन्होंने वर्षों तक हमारी कला और संस्कृति को मंच दिया? समय की मांग है कि रवींद्र मंच को उसकी पुरानी गरिमा और पहचान वापस दिलाई जाए। यदि अभी उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह सांस्कृतिक धरोहर धीरे-धीरे इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएगी। जयपुर जैसे सांस्कृतिक शहर के लिए यह एक बड़ी क्षति होगी। इसलिए आवश्यक है कि प्रशासन और समाज दोनों मिलकर इस मंच को पुनर्जीवित करने की दिशा में ठोस कदम उठाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी यहां कला और संस्कृति का वही उत्सव फिर से देख सकें, जो कभी इस मंच की पहचान हुआ करता था। कला और संस्कृति के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों का कहना है कि यदि सरकार और प्रशासन थोड़ी गंभीरता दिखाए, तो रवींद्रमंच को फिर से उसी गौरव के साथ स्थापित किया जा सकता है। इसके लिए केवल भवन की मरम्मत ही नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीकी सुविधाओं और बेहतर प्रबंधन की भी आवश्यकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज सभी मिलकर इस सांस्कृतिक धरोहर को बचाने की जिम्मेदारी निभाएं और ऐसी व्यवस्था करें कि यहां नियमित रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन फिर शुरू हो ताकि यह स्थान फिर से कलाकारों और दर्शकों से जीवंत हो सके। रवींद्रमंच सोसाइटी के विधान में उसके मुख्य कार्य रवीन्द्र मंच परिसर का प्रबंधन और रखरखाव करना, नाट्यय, संगीत, नृत्य और साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करना, विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं को कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना, स्थानीय कलाकारों और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देना तथा मंच की मरम्मत, आधुनिकीकरण और सुविधाओं का विकास करना है। राज्य सरकार का पहला दायित्व है कि वह इस संस्थान को नियमित और पर्याप्त आर्थिक सहायता प्रदान करे। रवींद्रमंच जैसे संस्थानों को उन व्यावसायिक सार्वजनिक संस्थानों की भांति नहीं समझा जा सकता जिन्हें घाटे में बता कर उन्हें बेच दिया जाता है। ललित कला संस्थान केवल वर्तमान कला को बढ़ावा नहीं देते, बल्कि वे सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के भी माध्यम होते हैं तथा किसी भी समाज की सांस्कृतिक आत्मा होते हैं। यदि इन्हें उपेक्षित छोड़ दिया जाए तो समाज अपनी रचनात्मक पहचान खो सकता है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

'स्व का भाव' जगाता भारतीय नववर्ष

पंकज मीणा

विश्व में भारत, ईरान, मिश्र, रोम इत्यादि प्राचीनतम समृद्ध बस्तियों वाले देश है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, बोलीवियों, पेरू और भारत का कुछ क्षेत्र तथा अफ्रिकी देश आदिवासियों की प्राचीन बस्तियां है। इन सब देशों की बहुत समृद्ध भाषा परंपरा व संस्कृति है। इन्ही परम्पराओं, भाषा और संस्कृति के समान विश्व के अनेक देशो की अपनी ज्योतिष, वास्तु व काल गणनाए भी है जो कही सौर आधारित है तो कही चंद्र आधारित है। अपनी काल गणनाओं के साथ ही यह देश अपने वर्ष महीनों की गणना भी उसी के अनुसार करते है। इसी गणना से इन देशों के महीनों की संख्या, समयचक्र, वर्ष के प्रथम माह भी अलग अलग है। यूरोप, अमेरिका वर्चस्व के कारण धीरे धीरे विश्व के उपनिवेश देशों में यूरोप, अमेरिका की भाषा के साथ ही काल गणना, ग्रेगेरियन कैलेंडर को स्वीकार कर लिया। भारत में ब्रिटिश शासन व्यवस्था के प्रभाव से ग्रेगेरियन कैलेंडर शासकीय कैलेंडर बन गया परंतु देश की जनता में ग्रेगेरियन कैलेंडर कभी भी लोकप्रिय नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी बहुसंख्यक जनता भारतीय काल गणना पर आधारित शक/विक्रम संवत का ही प्रयोग करती हैं। देश में मनाए जाने वाले समस्त त्यौहार/व्रत भी इसी कैलेंडर के आधार पर मनाए जाते है। यहां तक व्यापार अथवा वित्त वर्ष भी भारतीय काल गणना के प्रथम दिवस व ग्रेगेरियन कैलेंडर के सामंजस्य के आधार पर अप्रैल माह से प्रारंभ होता है।

यूरोप अमेरिका के इतर समृद्ध परंपराओं वालों देशों की चर्चा करे तो जापान में सम्राट के जन्म आधारित कैलेंडर, ईरान अफगानिस्तान में हिजरी, नेपाल में विक्रम संवत आदि कैलेंडर उपयोग में लिए जाते है। चीन में शासकीय रूप से अवश्य ग्रेगेरियन कैलेंडर उपयोग में लिया जाता है परंतु वहां भी भारत के समान त्यौहार इत्यादि देशज कैलेंडर से ही मनाए जाते है। भारत में स्वतंत्रता के पश्चात ग्रेगेरियन कैलेंडर ही उपयोग लिया परंतु जनता शक/विक्रम संवत की ही उपयोग करती रही। इस विरोधाभास के कारण सरकार ने 1952 में प्रसिद्ध वैज्ञानिक मेघनाथ साहा की अध्यक्षता में कैलेंडर सुधार समिति बनाई। समिति के अध्ययन का निष्कर्ष था कि देश में शक/विक्रम संवत सहीत 30 विभिन्न कैलेंडर चलन में है। समिति की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने शासकीय व्यवस्था में ग्रेगेरियन कैलेंडर के साथ शक संवत को शामिल कर एक साझा कैलेंडर 22 मार्च 1957 को अंगीकार किया।

देश के गत 10-12 वर्ष बदलाव का काल है, इस काल में बडे स्तर पर उत्तरोत्तर बदलाव हुए है। इस एक दशक में भारत में विश्व स्तरीय सडक परिवहन, रेल नेटवर्क का निर्माण हुआ है तो साथ ही कृषि उत्पादन अभी तक की सर्वश्रेष्ठ है। आज भारत दुग्ध उत्पादन, गेंहू, चावल उत्पादन में पूरे विश्व में अव्वल है। निर्यात गत 10 वर्षो में लगभग दुगुना हो चुका है, भारत की जीडीपी दर विश्व में सर्वाधिक है। यह तमाम आंकडे बताते है कि भारत विकसित देशों से भी तेज विकास कर रहा है। इन तमाम प्रयासों का परिणाम है कि देश के 25 करोंड़ जन गरीबी रेखा से बाहर आए है। उत्पादन, इन्फ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक परिदृश्य के अतिरिक्त गत 10-12 वर्षों में एक बडे बदलाव का कार्य देश में जारी है। लगभग 800 वर्षो की परतंत्रता के उपरांत देश की जनता के मन मस्तिष्क में 'स्व का भाव' जगाने का कार्य अर्थात देशज, स्वदेशी अथवा भारतीयता पर अधिक विश्वास व गर्व करना। जहां स्वतंत्रता पश्चात भारतीय विचार, शिक्षा संस्कारों महापुरूषों को स्थापित करने का समय था, वहां विचारविहीन सरकारों ने पश्चिम का अनुसरण किया। इस बात का किसी के पास जवाब नहीं कि स्वतंत्रता के पश्चात भी लॉर्ड पंचम की मूर्ति इंडिया गेट पर क्यों लगी रही, संसद परिसर में लूटियंस की मूर्ति क्यों थी? जिन मुगल शासकों ने धर्म के नाम पर कत्लेआम मचाया, उनके नाम पर शहरों और मार्गो का नाम आजाद भारत में क्यों? महाराणा प्रताप और शिवाजी की जगह अकबर और औरंगजैब महान क्यों?

आज भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। समय-समय पर विश्व के तमाम नेता यह स्वीकार भी कर चुके है कि भारत में विश्व नेतृत्व की संभावना है। भारत महान था ओर महान रहेगा। प्रत्येक भारतीय देश की सभ्यता, संस्कृति, भाषा, परंपराओं और इतिहास पर गर्व करता है। चंद्र-सौर आधारित काल गणना शक/विक्रम संवत सर्वश्रेष्ठ व अदभुद्ध है, जो देश के ऋतु परिवर्तन में सटीक है। इन्हीं कारणों से वर्ष प्रतिपदा भारतीय नववर्ष गत 10-15 वर्षों में बडे पैमाने पर उल्लास के साथ मनाने लगा है।

-पंकज मीणा,
प्रवक्ता, भाजपा राजस्थान

भटकता लोक : तंत्र के राज में

राजेन्द्र जोशी

दुनिया भर में लोकतंत्र का डंका बज रहा है। बदलते वैश्विक परिवेश में इसे सबसे पवित्र और सर्वप्रिय शासन-प्रणाली मान लिया गया है। राजतंत्र की आलोचना के दौर में लोकतंत्र को श्रेष्ठ सिद्ध करने की होड़ लगी हुई है, जहां लोक की भागीदारी को उसकी सबसे बड़ी ताकत बताया जाता है। भारत जैसे युवा होते लोकतंत्र में भी यही नारा गूंजता है-'लोक का राज'। लेकिन लगभग आठ दशक बीतने को हैं, फिर भी लोकतंत्र का सच्चा मूल्यांकन बाकी है। आज लोकतंत्र संख्या बल का आधार भर रह गया है। सवाल उठता है: शासन असल में लोक का हो रहा है या तंत्र का? लोकतंत्र में लोक की सहभागिता कितने प्रतिशत है? और तानाशाही व लालफीताशाही कैसे इतनी शक्तिशाली हो गई?

भारत का लोकतंत्र 1947 में आजादी के साथ जन्मा । संविधान ने हर नागरिक को मताधिकार का अधिकार दिया। गांधीजी का स्वप्न था 'ग्राम स्वराज' का, जहां गांव स्तर पर सीधे लोक का शासन हो। लेकिन वास्तविकता कुछ और है। संसदीय लोकतंत्र में तंत्र-यानी प्रशासनिक मशीनरी, राजनैतिक दल और नौकरशाही ने लोक को पीछे धकेल दिया है। चुनावी प्रक्रिया लोकतंत्र का एकमात्र प्रतीक बन गई है, जबकि लोक की दैनिक भागीदारी शून्य के करीब है। पंचायती राज व्यवस्था को 73वें और 74वें संशोधन से मजबूत करने का प्रयास हुआ । लोकतंत्र में तानाशाही का प्रवेश चिंताजनक है। राजनैतिक नेता भी व्यक्ति पूजा के शिकार होकर तानाशाही प्रवृत्ति अपनाते हैं। उदाहरणस्वरूप, हाल के वर्षों में विपक्षी नेताओं को जेल भेजने और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग करना तंत्र की चालाकी हैं। अब तक कई प्रमुख विपक्षी नेता गिरफ्तार हुए हैं। यह लोकतंत्र नहीं, बल्कि 'इलेक्टोरल ऑटोक्रेसी' का रूप है, जैसा कि राजनीतिक वैज्ञानिक यशोगिल ने इसे नाम दिया। तंत्र लोक को लड़ाकर राज करता है। वर्तमान लोकतंत्र में हिंदू-मुस्लिम, जाति-जाति के नाम पर विभाजन की राजनीति चरम पर है।

2024 के लोकसभा चुनावों में देखा गया कि कैसे आरोप-प्रत्यारोप का जहर लोकतंत्र की नींव को खोखला कर रहा है। लालफीताशाही लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन है। नौकरशाही, जो ब्रिटिश काल की देन है, आज भी 'साहब-भक्ति' में लिप्त है। एक आम नागरिक को सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए कितने चक्कर लगाने पड़ते हैं? तंत्र ने लोक को उपभोक्ता बना दिया-वोट डालो, फिर भूल जाओ। लोक की सहभागिता मात्र 1-2 प्रतिशत है; बाकी 98 प्रतिशत तंत्र के हाथ में। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि भारत में नागरिक भागीदारी सूचकांक निम्न स्तर पर है। लोकतंत्र की यह विडंबना है कि तंत्र के आगे लोक नृत्य करता हुआ, हाथ जोड़े खड़ा है। लोकतंत्र केवल चुनावी बन गया है, जबकि लोकतंत्र का मूल्यांकन लोक के साथ होना चाहिए। प्राचीन भारत में 'राजधर्म' की अवधारणा थी, जहां राजा लोक का सेवक होता था। महाभारत में भीष्म पितामह कहते हैं, 'प्रजा ही राज्य का आधार है'। लेकिन आधुनिक लोकतंत्र में राजा बन गया है तंत्र। पिछले दशकों में भ्रष्टाचार के घोटाले ने साबित किया कि लोक का पैसा तंत्र के जेब में जाता है। सीएजी रिपोर्ट्स धूल खाती रहती हैं। युवा लोकतंत्र का मूल्यांकन अब अनिवार्य है। यदि नहीं हुआ, तो लोक केवल नाम का रह जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की 'लोकतंत्र सूचकांक' 2024 रिपोर्ट में भारत को 'पूर्ण लोकतंत्र' से 'त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र' की श्रेणी में गिराया गया है। स्विट्जरलैंड जैसे देशों में प्रत्यक्ष लोकतंत्र है, जहां जनमत संठाह से नीतियां बनती हैं। भारत में भी नागरिक संहिता, जैसे मुद्दों पर जनमत संग्रह क्यों नहीं?

सोशल मीडिया युग में युवा जागरूक हैं, लेकिन फेक न्यूज और ट्रोल आर्मी तंत्र के हथियार बन गए हैं। लोक की भूमिका पर गहन चिंतन आवश्यक है। लोकतंत्र में लोक को सक्रिय भागीदार बनाना होगा। पहला कदम: शिक्षा में लोकतांत्रिक मूल्यों का समावेश। 2020 में वोकल फॉर लोकल का जोर है, लेकिन व्यावहारिक प्रशिक्षण कहां? दूसरा, विकेंद्रीकरण मजबूत करें-पंचायतों को वित्तीय स्वायत्तता दें। तीसरा, डिजिटल लोकतंत्र: ई-गवर्नेंस से पारदर्शिता लाएं, जैसे एस्टोनिया का मॉडल। चौथा, नागरिक समाज को सशक्त करें। समय आ गया है कि लोक जागे। भटकते लोकतंत्र को सही दिशा देने के लिए मूल्यांकन अभियान चलाएं। युवा, महिलाएं, ग्रामीण-सभी को लोक की भूमिका समझाएं। यदि तंत्र ने लोक को गुलाम बना लिया, तो लोकतंत्र का स्वरूप राजतंत्र जैसा हो जाएगा। असल शासन का अधिकार लोक का है, न कि तंत्र का। अब चुप्पी तोड़ें, अन्यथा इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। लोकतंत्र का भविष्य लोक के हाथ में है-उसे थाम लें।

-राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

''बार हैडेड गूज़'' को रास आ रही है चाकसू के बोरखेड़ा गांव के तालाब की आबोहवा

लद्दाख, मंगोलिया और तिब्बती पठार में पाए जाने वाले और सर्दियों में दक्षिण एशिया की ओर प्रवास करने वाले प्रवासी पक्षी ''बार हैडेड गूज़'' चाकसू के गांव में डेरा डाले हुए हैं

डॉ. कमलेश शर्मा

सर्दियों के जाने के साथ-साथ राजस्थान की झीलों और तालाबों से प्रवासी पक्षियों की विदाई लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन जयपुर के समीप चाकसू क्षेत्र में बोरखेड़ा गांव का तालाब इन दिनों एक अलग ही कहानी बयां कर रहा है। लद्दाख, मंगोलिया और तिब्बती पठार में पाए जाने वाले और सर्दियों में उच्च हिमालय को पार कर दक्षिण एशिया की ओर प्रवास करने वाले प्रवासी पक्षी ''बार हैडेड गूज़'' जयपुर के निकट डेरा डाले हुए हैं। एक दो की संख्या में नहीं अपितु 500 से अधिक की संख्या में ''बार हैडेड गूज़'' के तीन बड़े-बड़े झुंड पक्षी प्रेमियों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

एक दिन में 1600 किमी तक भरते हैं उड़ान :- स्थानीय बोलचाल में ''राजहंस'' के नाम से जाने-पहचाने वाले ''बार हैडेड गूज़'' दुनिया के सबसे ऊंचाई तक उड़ान भरने वाले पक्षियों में गिने जाते हैं। ये पक्षी 12,000 से 14,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकते हैं और प्रतिदिन बिना रुके लगभग 1600 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम होते हैं। इनके शरीर में पाया जाने वाला विशेष प्रकार का हीमोग्लोबिन कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में भी अधिक ऑक्सीजन अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे ये हिमालय के ऊंचे दर्रों को पार कर पाते हैं।

- **500 से अधिक की संख्या में ''बार हैडेड गूज़'' के तीन बड़े-बड़े झुंड बोरखेड़ा गांव के तालाब में पक्षी प्रेमियों के आकर्षण का केन्द्र बने हुये हैं**
- **स्थानीय बोलचाल में ''राजहंस'' के नाम से जाने-पहचाने वाले ''बार हैडेड गूज़'' दुनिया के सबसे ऊंचाई तक उड़ान भरने वाले पक्षियों में गिने जाते हैं**

तालाब सूखा पर वनस्पति आई रास :- बोरखेड़ा तालाब का अधिकांश हिस्सा सूख चुका है, लेकिन पांच अलग-अलग हिस्सों में बचा पानी इन हिमालय पार करने वाले मेहमानों के लिए फिलहाल ठिकाना बना हुआ है। सूखते जलाशय के बीच बची छोटी-छोटी जल धाराओं में सैकड़ों ''बार हैडेड गूज़'' का झुंड दिनभर सक्रिय रहता है। यह पक्षी स्थानीय जल पक्षियों के साथ तैरते, उड़ते और जल क्रीड़ा करते दिखाई देते हैं। कभी ये शांत पानी में तैरते दिखाई देते हैं, तो कभी अचानक पूरे समूह के साथ आकाश में उड़ान भर लेते हैं। स्थानीय पक्षियों के साथ उनकी यह गतिविधियां तालाब के शांत वातावरण को जीवंत बना देती हैं और प्रकृति की एक दुर्लभ झलक प्रस्तुत करती हैं।

एक साथ इतनी बड़ी संख्या में इन पक्षियों की यहां उपस्थिति के बारे में पर्यावरण विज्ञानी व सेवानिवृत्त वन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार शर्मा बताते हैं कि इन दिनों तापमान में उतार-चढ़ाव हो रहा है ऐसे में कम मानवीय गतिविधि व सुरक्षित वातावरण की अनुकूलता देख पक्षी यहां रुके हुए हो सकते हैं। इसी प्रकार यह भी हो सकता है कि इन पक्षियों का कोई एक झुंड यहां रुका हुआ हो और आसपास के तालाबों से कोई एक और झुंड यहां पहुंचा हो और इन पक्षियों को देख उस झुंड ने भी यहां पड़ाव डाल दिया हो। उन्होंने बताया कि ''बार हैडेड गूज़'' पूर्णतया शाकाहारी पक्षी है और यहां मौजूद जलीय वनस्पतियों के साथ आसपास के क्षेत्र में नर्म घास इत्यादि, खुला व सुरक्षित क्षेत्र और अपेक्षाकृत शांत वातावरण प्रवासी पक्षियों को कुछ समय और ठहरने के लिए अनुकूल परिस्थितियां प्रदान कर रहे हैं।

डॉ. कमलेश शर्मा,
पक्षी विशेषज्ञ व अतिरिक्त निदेशक (प्रचार), पुलिस मुख्यालय, जयपुर।

राशिफल

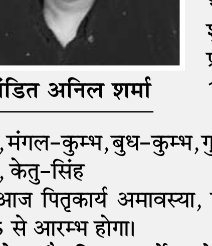

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 18 मार्च, 2026

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र गुरूवार प्रातः 5:21 तक, शुभ योग रात्रि 4:01 तक, शकुनि योग प्रातः 8:26 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:36 से मीन राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज पितृकार्य अमावस्या, पंचक, मन्वादि है। महापात योग रात्रि 3:45 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: सूर्योदय से 9:36 तक, शुभ 11:06 से 12:35 तक, चर 3:34 से 5:03 तक, लाभ 5:03 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:37, सूर्यास्त 6:33

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। आज परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

मेगा फोस्टेक प्रशिक्षण कार्यक्रम आज

बीकानेर, (निसं)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशानुसार 18 मार्च को मेगा फोस्टेक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध ने बताया कि यह प्रशिक्षण रवींद्र रंगमंच सभागार में आयोजित होगा, जिसमें 1000 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम दो पारियों में आयोजित किया जाएगा। पहली पारी प्रात: 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा दूसरी पारी दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। प्रथम पारी में खाद्य कारोबारकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, नर्सिंग छात्रों, शहरी एएनएम, जीएनएम और आशा सहयोगिनियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में एफएसएसएआई, नई दिल्ली से आए प्रशिक्षकों द्वारा खाद्य कारोबारियों, डेयरी संचालकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों, एएनएम, जीएनएम, सीएचओ, मिड-डे मील से जुड़े स्कूल प्रतिनिधियों, पापड़-भुजिया उद्योग, होटल एवं रेस्टोरेंट, मिठाई निर्माण इकाइयों, तेल निर्माण इकाइयों, बेकरी उद्योग, आइसक्रीम और किराना स्टोर संचालकों सहित विभिन्न वर्गों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

राजस्थान युवा शक्ति दिवस का जिला स्तरीय समारोह आयोजित

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान दिवस समारोह की श्रृंखला में मंगलवार को राजस्थान युवा शक्ति दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम रवीन्द्र रंगमंच पर आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में जयपुर में आयोजित हुए राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।

■ **विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना के तहत चार लाभार्थियों को सब्सिडी प्रदान की**

राजस्थान युवा शक्ति दिवस समारोह में लाभार्थियों को सब्सिडी के कागजात प्रदान करते सभागीय आयुक्त।

जयपुर में आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, युवा एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, विधि मंत्री जोगाराम पटेल आदि मौजूद रहे। वहीं जिला स्तरीय समारोह में संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, जिला कलक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि, श्रीमती सुमन छाजेड़, अतिरिक्त कलक्टर (प्रशासन) सुरेश यादव, अतिरिक्त कलक्टर (नगर) रमेश देव, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त निदेशक सत्येन्द्र सिंह राठौड़, उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के उपनिदेशक हरगोबिंद मित्तल, रोजगार अधिकारी चौधरी दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के नियुक्त कार्मिक, कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान संभागीय आयुक्त और जिला कलक्टर ने विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना के तहत चार लाभार्थियों को पांच-पांच तथा एक लाभार्थी को दो लाख रुपए सब्सिडी प्रदान की। रोजगार सहायता शिविरों में निजी क्षेत्र में रोजगार पाने वाले तीन युवाओं को भी प्रशस्ति पत्र दिए गए।

इनमें प्रखर मुंजाल, नवरत्न और सैयद जिशान शाह शामिल रहे। वहीं राजस्थान सेंटर ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी और आरकेसीएल से प्रशिक्षण प्राप्त चार-चार युवाओं को भी प्रशस्ति पत्र दिए गए।

समारोह के दौरान 'मुख्यमंत्री की युवाओं के नाम पाती' का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया।

नापासर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर

नापासर(निसं) । यहा आसोपा धर्मशाला में भाजपा मंडल नापासर द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर तथा देशभक्ति गीतों के साथ हुई। इस दौरान वंदे मातरम् और भारत माता के जयघोष से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष महावीर चारण ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण शिविर संगठन की रीढ़ होते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को विचारधारा, कार्यपद्धति और जिम्मेदारियों की स्पष्ट समझ पर जोर दिया। चारण ने कहा कि भाजपा एक विचार आधारित संगठन है और प्रत्येक कार्यकर्ता को इसकी मूल भावना को आत्मसात करते हुए समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। देहात भाजपा जिला महामंत्री दिलीप सिंह राजपुरोहित ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि संगठन की रीति-नीति, सिद्धांत और अनुशासन ही भाजपा की ताकत है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए।

सार-समाचार

जिले में एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़, पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध : डीएसओ

बीकानेर, (निसं)। रसद विभाग की टीम ने मंगलवार को जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा के नेतृत्व में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट्स का विजिट किया गया। जिला रसद अधिकारी शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के अधिकारियों के साथ एलपीजी के स्टॉक, आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था को लेकर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा की गई। बैठक में बीकानेर जिले में एलपीजी आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की गई। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि जिले में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से सुचारू है। आमजन को किसी प्रकार की घबराने की आवश्यकता नहीं है।उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और नियमित प्रक्रिया के तहत गैस सिलेंडर बुक करवाएं। दो दिन बाद डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि ज़िले में व्यावसायिकसिलेंडरों की कुल माँग के 20 फ़ीसदी सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की कवायद की जा रही है।

सतर्कता समिति की बैठक कल

बीकानेर,(निसं)। जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में जिला जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक गुरुवार प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी। जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति के सचिव एवं प्रभारी अधिकारी सतर्कता ने बताया कि उपखंड स्तरीय अधिकारी अपने उपखंड से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहेंगे।

संग्रहालय में स्वच्छता व रंगोली कार्यक्रम

बीकानेर,(निसं)। राजस्थान दिवस सप्ताह 2026 के तहत मंगलवार को गंगा राजकीय संग्रहालय में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संग्रहालय के कार्मिकों ने पूरे परिसर की साफ-सफाई की। कार्यक्रम के तहत विद्यालय की छात्राओं को आमंत्रित कर रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न रंगों के सुंदर संयोजन से आकर्षक रंगोलियां बनाई। इस अवसर पर विभागीय संरक्षित स्मारक कीर्ति स्तंभ को स्थानीय प्रशासन के सहयोग से रंग-बिरंगी रोशनी से विद्युत सज्जा कर विशेष रूप से आकर्षक बनाया गया।

भक्ति, कला और आस्था का विराट संगम, मंदिरों के बीच गूंजेंगे वेद मंत्र

बीकानेर,(निसं)। शहर में चैत्र नवरात्रि इस बार एक विशेष और विराट आध्यात्मिक महोत्सव के साथ मनाई जाएगी। अग्रवाल भवन परिसर में 19 से 29 मार्च तक आयोजित होने वाले चैत्र नवरात्रि विराट कथा यज्ञ महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। विशाल मैदान में भक्ति, कला और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा, जहां 14 भव्य मंदिरों, 9 कुंडीय दिव्य यज्ञ वेदी और देवी भागवत कथा पांडाल के बीच वेद मंत्रों की गूंज पूरे वातावरण को आध्यात्मिक बना देगी। इस महोत्सव का आयोजन जगद्गुरु वसंत विजयानंद गिरी के सान्निध्य और प्रेरणा से किया जा रहा है, जो श्री पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर हैं। आयोजन से जुड़े संकेश जैन ने बताया कि देशभर से आए कलाकारों द्वारा तैयार किए जा रहे मंदिरों और यज्ञ स्थल की भव्यता श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगी।

रोज़ा इफ्तार में देश में अमन-चैन और खुशहाली की मांगी दुआ

बीकानेर(निसं)। फड़ बाजार स्थित पठानों की मस्जिद में रोज़ा इफ्तार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआ की गई। पठानों की मस्जिद के सदर कादिर अहमद पठान ने बताया कि आयोजित रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोज़ेदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान देश में भाईचारा बना रहे और शांति कायम रहे, इसके लिए दुआ मांगी गई। मस्जिद के कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाएं संभाली। जिनमें आफरीदी पठान, असलम पठान, इरफान पठान, तेमूर पठान, अलफाज पठान,अनीश पठान,अरमान पठान, अरबाज पठान ,रेहान खान,सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल जादुसंगत ने रोज़ेदारों के साथ इफ्तार कर उनका इस्तकबाल किया।

'बाजरा व मोटे अनाज के उपयोग पर दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित'

बीकानेर(निसं)। उरमूल सीमांत समिति द्वारा द्वारा बाजरा व मोटे अनाज के उपयोग एवं उसके मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर और गंगानगर सहित विभिन्न जिलों से आए 300 किसानों ने सहभागिता की। इस अवसर पर राजुवास के कुलगुरु डॉ सुमंत व्यास, उरमूल सीमांत की चैयरपर्सन डॉ सुशीला ओझा, एसकेआरएयू की प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. दीपाली धवन, राजुवास के प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ आर.के. धुरिया सहित राजस्थान पुलिस के पूर्व उप पुलिस अधीक्षक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सुमंत व्यास ने पारंपरिक ज्ञान और पारंपरिक खाद्य प्रणालियों की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में टिकाऊ, स्वस्थ और व्यवहारिक जीवन के लिए पारंपरिक खाद्य प्रणालियाँ वर्तमान चुनौतियों का प्रभावी समाधान हैं। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. दीपाली धवन ने किसानों को बाजरा व मोटे अनाजों की खेती एवं उसके विभिन्न उपयोगों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोटा अनाज श्री अन्न के नाम से जाना जाता है, यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है तथा कई बीमारियों से बचाव में सहायक है। सुशीला ओझा ने बताया कि उरमूल सीमांत लंबे समय से पारंपरिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। वर्तमान में संस्था जैविक खेती, बायोगैस, बागवानी तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में विशेष प्रयास कर रही है। उरमूल सीमांत का कार्यक्षेत्र राजस्थान के विभिन्न हिस्सों तक विस्तृत है। संस्था वर्तमान में राजस्थान के 16 जिलों में 15,000 से अधिक किसानों के साथ मिलकर टिकाऊ खाद्य प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है, जिसमें पारंपरिक फसलों, जैविक खेती और स्थानीय खाद्य प्रणालियों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जीवनराम ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए श्रीअन्न के उपयोग पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर डिम्पल कुमारी (एफ ई एस) प्रगतिशील किसान ओमप्रकाश मेघवाल (बरसलपुर) तथा उदाराम मेघवाल ने भी अपने विचार साझा किए।

बाजारा व मोटे अनाज के उपयोग पर प्रशिक्षण को सम्बोधित करती डॉ दिपाली धवन।

'राजस्थान री अणमोल धरोहर' संगोष्ठी आयोजित

बीकानेर(निसं)। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी तथा इन्टेक, बीकानेर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को रोटरी क्लब सभागार में 'राजस्थान री अणमोल धरोहर' विषयक राजस्थानी संगोष्ठी आयोजित की गई। इन्टेक के कन्वीनर पृथ्वीराज रतनू ने कहा कि राजस्थान की असंख्य धरोहरें विश्वविख्यात हैं। हमें अपनी महान धरोहर पर गर्व करने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को भी इनके महत्त्व के बारे में जागरूक करना चाहिए। डॉ. रीतेश व्यास ने विषय-प्रवर्तन करते हुए धरोहर के मूर्त, अमूर्त, प्राकृतिक प्रकारों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और कहा कि धरोहर संरक्षण की दिशा में आमजन को भी प्रभावी भूमिका निभानी होगी। राज्य की पुरातात्विक, स्थापत्य, सांस्कृतिक, धार्मिक, साहित्यिक, कला आदि क्षेत्रों की अमूल्य धरोहरों की जानकारी देते हुए कहा कि ये हमारे प्रदेश की पहचान, इतिहास, मूल्यों को दर्शाती हैं। डॉ. कृष्णलाल बिश्नोई ने अपनी राजस्थानी कविता 'ख्यातां में सिरमौर' के माध्यम से राजस्थान की विभिन्न धरोहरों का महत्त्व बताया।

नोखा में एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने निकाली स्वच्छता रैली

नोखा,(निसं)। यहा हीरा देवी गट्टाणी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्लस 2 के सात दिवसीय विशेष शिविर का चौथा दिन सामाजिक जागरूकता और सेवा को समर्पित रहा। इस दौरान स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता रैली निकाली और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता सत्र में भाग लिया।

दिन की शुरुआत विद्यालय से स्वच्छता रैली के साथ हुई। इसे प्राचार्य रिशपाल बिश्नोई, उप प्राचार्य प्रह्लाद दान, उप प्राचार्य सुमेर सिंह और उप प्राचार्य अनीता चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्वयंसेविकाओं ने 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' के नारों के साथ स्लोगन लिखी पट्टियाँ लेकर पूरे क्षेत्र में भ्रमण किया और आमजन को सफाई के प्रति जागरूक किया। यह रैली विद्यालय से पब्लिक पार्क पहुँची, जहाँ छात्राओं ने सघन श्रमदान किया। उन्होंने पार्क की सफाई की, कचरे का उचित निस्तारण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

दोपहर के द्वितीय सत्र में स्वयंसेविकाओं को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण चुनौती 'साइबर सुरक्षा' के प्रति जागरूक किया गया। इस सत्र में छात्राओं को साइबर धोखाधड़ी से बचने

■ **साइबर सुरक्षा को लेकर किया जागरूक, आत्मनिर्भर करने के लिए किया प्रेरित**

के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। उन्हें अपना पासवर्ड किसी के साथ साझा न करने और अनजान व्यक्ति को ओटीपी न देने के विशेष निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

'मेरा युवा भारत' थीम के अंतर्गत छात्राओं को सामुदायिक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता के विषय में प्रेरित किया गया। शिविर के समापन पर स्वयंसेविकाओं की शारीरिक दक्षता बढ़ाने के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया।

प्राचार्य रिशपाल बिश्नोई ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग में सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। उन्होंने स्वयंसेविकाओं के सेवा भाव की सराहना की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी शारदा विश्नोई और रामजीवन शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

शहर कांग्रेस शिष्टमंडल ने सौंपा ज्ञापन

बीकानेर(निसं)। बीकानेर में कार्यरत निजी बिजली कम्पनी बी. के.सी.एल. द्वारा लगातार पिछले काफी समय से घंटो बिजली कटौती को लेकर आज बीकानेर शहर जिला कांग्रेस के शिष्टमंडल ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) को ज्ञापन सौंपा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल ने कहा कि पिछले लम्बे समय से रखरखाव के नाम पर बिजली कटौती का खेल जारी है जिसको तुरंत प्रभाव से रोकना चाहिए उन्होंने जिला कलेक्टर को अवगत करवाया कि आगामी दिनों में नवरात्रि, ईद गवरजा माता और रामनवमी का बड़ा त्यौहार है जिसके चलते लगातार कार्यक्रम जारी रहेंगे और बच्चों के परीक्षाएं भी चल रही है इसको देखते हुए तुरंत प्रभाव से बिजली कटौती बंद हो ताकि जनता में पनप रहा गुस्सा आंदोलन की राह ना पकड़े इसके साथ ही मेघवाल ने कहा कि विजिलेंस के

■ **त्यौहारों को देखते हुए बंद हो बिजली कटौती : मेघवाल**

नाम पर धमकाकर जबरन गरीब परिवारों से वसूली की जा रही है जिसको रोकना अब प्रशासन की अहम जिम्मेदारी बन गई है समय रहते प्रशासन निजी बिजली कंपनी पर लगाम लगाए अन्यथा जनसैलाब इसके खिलाफ सड़को पर उतरेगा जिसको संभालना प्रशासन के लिए मुश्किल हो जाएगा। मेघवाल ने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान मलबा सड़क पर ही छोड़ देने पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि इसको भी तुरंत हटवाना चाहिए ताकि जनता को परेशानी ना हो शिष्टमंडल में वरिष्ठ कांग्रेसी कन्हैयालाल कल्ला, शरीफ समेजा, ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष उमा सुथार शामिल रहे।

गौवंश , नंदी, पशुओं की सेवा कर मनाई जन्मजयंती

बीकानेर(निसं)। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन बीकानेर इकाई द्वारा संस्था के संस्थापक अध्यक्ष रामदास अग्रवाल की जन्म जयंती को वैश्य एकता दिवस के रूप में मनाया इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन बीकानेर इकाई द्वारा नंदी शाला में चारा, गुड, लड्डू, सब्जी गौवंश को खिलाकर सेवा की गई अध्यक्ष विनोद बाफना ने बताया की गौसेवा , पशुसेवा हमारी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की मूल आत्मा है।राष्ट्रीय नेतृत्व के नेतृत्व में यह सेवा कार्यक्रम हमारे संस्कारों, करुणा भाव और जनकल्याण के संकल्प का प्रतीक है। भाजपा जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़ ने बताया की स्व. रामदास जी भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेता थे उनके जीवन से हमे प्रेरणा मिलती हैं समाज के हर वर्ग के उत्थान की भावना उनसे सीखने को मिलती थी।

पीले चावल बांटकर धर्मयात्रा का दिया निमंत्रण

बीकानेर(निसं)। भारतीय नववर्ष के उपलक्ष्य में 19 मार्च को आयोजित होने वाली धमर्यात्रा को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। आयोजन की तैयारियों के तहत विभिन्न स्थानों पर लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में के.ई.एम. रोड और मुख्य बाजार क्षेत्र में कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापारियों एवं आमजन के बीच पीले चावल वितरित कर धमर्यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया।

इस अवसर पर महाराज सरजुदास , विभाग संघचालक टेक चंद बरडिया, समिति के अध्यक्ष गणेश मल बोथरा, महावीर रांका, करण प्रताप सिंह, सोनू चढ़ा, शशि कांत शर्मा, पंकज गहलोत, वेद व्यास, बजरंग तंवर, निर्मल गहलोत, युधिष्ठिर सिंह, दुर्गा सिंह शेखावत, विक्रम सिंह भाटी, विक्रम राजपुरोहित, ललित भान, नारायण प्रजापत, मुकेश पंवार, राजेश कौशिक, महेंद्र ढाका, सोनू तनेजा सहित सर्व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार धमर्यात्रा हनुमान मंदिर, रतन बिहारी पार्क से प्रारंभ होकर के.ई.एम. रोड, जैन मार्केट, खजांची मार्केट से होते हुए कोटगेट तक पहुंचेगी।

धर्मयात्रा के लिए जनसम्पर्क कर पीले चावल बाट कर दिया निमन्त्रण।

यात्रा के माध्यम से भारतीय नववर्ष के स्वागत का संदेश पूरे शहर में दिया जाएगा। इसी क्रम में कार्यक्रम के सह-संयोजक जगदीश सोलंकी द्वारा वेद मघाराम बस्ती, प्रताप बस्ती और लुहाना बस्ती में घर-घर जाकर संपर्क किया गया।

तापमान गिरा, हल्की सर्दी लौटी, न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री दर्ज

बीकानेर,(निसं)। यहा तापमान में अचानक गिरावट के बाद मौसम ने करवट ले ली है। खासकर रात के तापमान में कमी आने से एक बार फिर हल्की सर्दी का अहसास होने लगा है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर जिले के लूणकरनसर में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पश्चिमी राजस्थान में सबसे कम रहा। इससे कम तापमान केवल फतेहपुर में 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। कुछ दिन पहले जहां आधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, वहीं अब यह गिरकर 32.8 डिग्री सेल्सियस हो गया है। तापमान में आई इस गिरावट से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। श्रीडूंगरगढ़, नोखा, कोलायत, पूगल और खाजूवाला सहित आसपास के क्षेत्रों में भी तापमान में कमी दर्ज की गई है।

प्राप्रूप-10 [नियम 6 (7) देखिए]
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ़
क्रमांक: 4870 लोक सूचना दिनांक : 17.03.2026
बालाजी एस्टेट्स निवासी ग्राम मानकसर सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर, कि नीचे अल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (व्यावसायिक) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	भूमि स्थान	क्षेत्र
तहसील सूरतगढ़	ग्राम मानकसर	खसरा नं. 344/340 की 0.6153 हैक्टेयर यानी 6153 वर्गमीटर	0.6153 हैक्टेयर यानी 6153 वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर [illegible]

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2026/ सार्वजनिक आपत्ति सूचना दिनांक : 12-3-2026
[illegible] प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती मीरा देवी पत्नी श्री हरचन्द्र निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 6 जैड मुरब्बा नं. 09 के किला नं. 21 में भूखण्ड संख्या 16 का माप 25'-0'' गुणा 40'-0'' फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/ पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वत: ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
RajKaj Ref No.: 20974237 -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

बीकानेर में उच्च न्यायालय खंडपीठ की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

बीकानेर(निसं)। दिनांक 17 मार्च बार एसोसिएशन, बीकानेर के अध्यक्ष अजय कुमार पुरोहित के नेतृत्व में आज उच्च न्यायालय खंडपीठ, बीकानेर की स्थापना की मांग को लेकर 195 वां ज्ञापन राज्यपाल को जिला कलेक्टर, बीकानेर के माध्यम से तथा मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय को जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बीकानेर के माध्यम से प्रेषित किया गया।

ज्ञापन में बीकानेर में खंड पीठ स्थापना की पुरजोर मांग करते हुए बताया गया कि जोधपुर स्थित उच्च न्यायालय की दूरी के कारण आमजन को न्याय प्राप्त करने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जबकि जोधपुर उच्च न्यायालय में लंबित व विचाराधीन अधिकांश प्रकरण बीकानेर संभाग एवं आसपास के जिलों से संबंधित हैं, जिससे यह मांग और भी अधिक न्यायोचित एवं आवश्यक हो जाती है। साथ ही बार एसोसिएशन ने न्यायालय परिसर की समस्याओं को भी उठाया, जिसमें पुराना न्यायालय परिसर स्थित पार्किंग स्थल की अव्यवस्था, कचरा एवं अतिक्रमण तथा बीएसएनएल कार्यालय व स्टाम्प विक्रेताओं के पास स्थित जर्जर शौचालयों की स्थिति का उल्लेख किया गया। यह भी अवगत कराया गया कि लगभग तीन माह पूर्व जिला प्रशासन द्वारा निर्देश दिए जाने के बावजूद आज तक कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हुई है।बार एसोसिएशन ने प्रशासन से शीघ्र कार्यवाही कर पार्किंग व्यवस्था, सफाई, अतिक्रमण हटाने एवं शौचालयों की मरम्मत सुनिश्चित करने की मांग की है। इस अवसर पर बार अध्यक्ष अयज कुमार पुरोहित, उपाध्यक्ष लेखराम धत्तरवाल, रक्षपाल बिश्नोई, धर्मेन्द्र वर्मा, मनीष गौड़, सहायक सचिव मुखराम कुकणा, सुखदेव व्यास सहित वरिष्ठ अधिवक्तागण नारायाण चौपडा, सुरेंद्रपाल शर्मा, भंवर बिश्नोई, मनीराम विश्नोई, सकिना बानो, ताराचन्द उपाध्याय, रामनिवास विश्नोई, षगुन अग्रवाल, दिव्या सोढ़ा आदि उपस्थित रहे ।

हाईकोर्ट बैंच की मांग को लेकर वकीलो ने जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि को राज्यपाल व हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के नाम ज्ञापन दिया।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार
68. अशोक रोड, नई दिल्ली-110001
फ़ोन: 23730417-18, 23351099. टेलीफैक्स: 011-23711657
ईमेल-dir-mdniy@nic.in वेबसाइट-www.yogamdniy.nic.in

मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ योगा (MDNIY) में डायरेक्ट रिक्रूटमेंट/डेप्युटेशन बेसिस पर काम करने के लिए, नीचे दिए गए पोस्ट के लिए एलिजिबल कैंडिडेट्स से एप्लीकेशन मंगाए गए हैं:

एसआई नं.	पद का नाम	पदों/श्रेणी की संख्या	वेतनमान	नियुक्ति की प्रकृति
1	उप निदेशक (एफ एंड ए)	01	लेवल-11 (रु.67700-208700)	प्रतिनियुक्ति पर
2	प्रशासी अधिकारी	01	लेवल-10 (56100-177500 रुपये)	प्रतिनियुक्ति पर
3	जूनियर हिंदी अनुवादक	01 यूआर	लेवल-06 (35400-112400 रुपये)	सीधी भर्ती
4	अपर डिवीजन क्लर्क	01	लेवल-04 (रु.25500-81100)	प्रतिनियुक्ति पर

ऊपर बताए गए डायरेक्ट रिक्रूटमेंट और डेप्युटेशन पोस्ट के लिए क्वालिफिकेशन, एक्सपीरियंस और अपॉइंटमेंट के दूसरे टर्म्स एंड कंडीशंस की डिटेल्स इंस्टिट्यूट की वेबसाइट www.yogamdniy.nic.in से मिल सकती हैं।
जो कैंडिडेट ज़रूरी क्वालिफिकेशन, एक्सपीरियंस वगैरह रखते है, वे बताए गए फॉर्मेट में अपनी एप्लीकेशन, सेल्फ अटेस्टेड टेस्टिमोनियल की कॉपी और दो हाल की पासपोर्ट साइज़ फोटो के साथ डायरेक्टर, मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा, 68-अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 के पते पर भेज सकते हैं। NDBUT में एप्लीकेशन की हार्ड कॉपी मिलने की आखिरी तारीख एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ (No. CBC 17213/12/0009/2526 तारीख 07 मार्च, 2026) में एडवर्टाइजमेंट पब्लिश होने की तारीख से 45 दिन है। इसलिए, एप्लीकेशन मिलने की आखिरी तारीख 20 अप्रैल, 2026 है।

निदेशक

CBC 17213/12/0010/2526

कार से 15 लाख रुपये का डोडा-चूरा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने कार से 101 किलो 414 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया

- अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ सीमलिया पुलिस व जिला विशेष टीम ने कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की सीमलिया पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए कार से अवैध मादक पदार्थ 101 किलो 414 ग्राम डोडा-चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़ी गई मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 लाख रूपये बताई गई है। अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ सीमलिया पुलिस व जिला विशेष टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिमलिया थानाधिकारी नन्द सिंह व जिला विशेष टीम ने मय जाब्ता संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग कर रही थी।

कोटा ग्रामीण की सीमलिया पुलिस टीम ने कार से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जब्त किया।

पुलिस नाकाबंदी को देखकर एक कार चालक ने कार को घुमाने का प्रयास किया तो मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार को रूकवाया और कार में सवार लोगों को डिटेन कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस टीम को दोनों के पास से अवैध मादक पदार्थ 101 किलो 414 ग्राम डोडा-चूरा बरामद हुआ। पुलिस टीम ने मादक पदार्थ व कार को जब्त किया एवं एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए कार में सवार जिला नागौर के डारों की ढाणी रेण निवासी बनवारी (40) एवं जिला नागौर के पोलास निवासी सुरेश (38) को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये दोनों तस्करों से अनुसंधान जारी है।

डिज़िटल अरेस्ट कर 1.85 करोड़ की ठगी का खुलासा, चार गिरफ्तार

- गिरफ्तार आरोपियों में एसबीआई बैंक में संविदाकर्मी लगा एक युवक भी शामिल है
- ठगों ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर रिटायर्ड प्रिंसिपल को शिकार बनाया था

जोधपुर, (निसं)। जोधपुर में रिटायर्ड प्रिंसिपल को डिजिटल अरेस्ट कर 1 करोड़ 85 लाख रुपए की ठगी वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में एसबीआई बैंक में संविदाकर्मी लगा एक युवक भी शामिल है। ठगों ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर शिकार बनाया था। सायबर थाना पुलिस ठबों के बैंक खातों की जांच कर रही है।

जोधपुर के कमला नेहरू नगर निवासी बुजुर्ग महिला सरस्वती माहेश्वरी प्रिंसिपल के पद से रिटायर है। उनके पति और बेटे का निधन हो चुका है। घर में अकेले रहती है। ठगों ने क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर महिला को कहा था कि उनके आधार नंबर से केनरा बैंक में खाता खोला गया है, जिसमें कमीशन के रुपए आए हैं। इस कारण बैंक खाते की जांच करनी पड़ेगी। इस प्रकार अपनी बातों में फंसाकर रुपयों की डिमांड की थी। घबराकर महिला पंजाब नेशनल बैंक में एफडी के पैसे तुड़वाकर अन्य के खाते में ट्रांसफर करवाने के लिए पहुंची। तब बैंक के कर्मचारियों को शक हुआ और पुलिस को सूचना दी। सायबर थाना पुलिस पहुंची तो महिला के डिजिटल अरेस्ट होने का पता चला। मामले में कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। थाना अधिकारी सुरेश सारण ने बताया कि फिलहाल मामले को लेकर आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

मामले में मुकेश राव (28) पुत्र पप्पुराम राव निवासी बलदेवनगर जोधपुर, तिलक सिंह (19) रावणा राजपूत निवासी शक्ति कॉलोनी रातानाडा जोधपुर हाल निवासी गणेश चौराहा के पास, जोधपुर डेयरी के सामने प्रतापनगर सदर जोधपुर, शिवम तोमर (30) निवासी कुड़ी भगतासनी जोधपुर तथा अजय (25) निवासी जगदम्बा कॉलोनी प्रतापनगर जोधपुर हाल संविदाकर्मी एसबीआई शाखा पाल रोड जोधपुर को गिरफ्तार किया गया है।

परीक्षा देकर लौट रहे छात्र पर हमला : जोधपुर शहर के निकट भाखरी बास, केरू क्षेत्र में एक छात्र पर घात लगाकर हमला किया गया, जिससे छात्र के सिर पर चोटें लग गई। छात्र को आरोपी ने जान की धमकी भी दी। घायल छात्र के पिता ने नामजद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि भाखरी बास, केरू निवासी प्रेमाराम पुत्र पुखराज मेघवाल की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका नाबालिग पुत्र 16 मार्च को परीक्षा देकर लौट रहा था। तब रास्ते में पहले से ही घात लगाए बैठे कुलदीप आदि ने उसका रास्ता रोककर मारपीट की और फिर किसी चीज से हमला कर दिया।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR

No.NIT/2025-26/40407-19 **निविदा सूचना /2025-26** Date:16.03.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
SITC of 200 KLD STP and 20 KLD ETP for Hospital & Medical College at Jhunjhunu. (02 No. works) **UBN: (1)RRC2526WSOB01311 (2)RRC2526WSOB01312**	486.38 **Lakh**	ई-768/ 25-26
Construction of Regional office & Laboratory Building for Pollution Control Board at Bundi. **UBN: RRC2526WSOB01313**	353.69 **Lakh**	अल्पकालीन ई-769/25-26

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र मे निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

विदेश भेजने के नाम पर ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। विदेश भेजने के नाम पर युवक से लाखों ठगी का मामला सामने आया है, जहां आरोपी ने फर्जी ऑफर लेटर और एग्रीमेंट देकर दो भाइयों से करीब 2.80 लाख रुपए ले लिए।

जानकारी अनुसार रायसिंहनगर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के जरिए संपर्क कर आरोपी ने खुद को विदेश भेजने का एक्सपर्ट बताया और माल्टा व क्रोएशिया में जॉब लगवाने का झांसा दिया। पुलिस को दी रिपोर्ट में प्रेम कुमार निवासी रायसिंहनगर ने बताया कि उनका संपर्क सोशल मीडिया के जरिए अंकुर चौधरी नाम के व्यक्ति से हुआ। अंकुर ने खुद को विदेश भेजने का एक्सपर्ट बताया और अपना ऑफिस उत्तर प्रदेश के भूडाना में होना बताया। प्रेम कुमार 21 अगस्त 2024 को भूडाना गए। वहां आरोपी अंकुर ने उनके भाई रिछपाल को माल्टा भेजने का झांसा देकर 1 लाख 80 हजार रुपए ले लिए।

इंस्टाग्राम के जरिये अजमेर का युवक पाकिस्तान में बैठे मास्टरमाइंड से संपर्क में था, जांच में खुलासा

बम विस्फोट की साजिश के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ, कई शहरों में धमाकों की साजिश थी

- जांच में सामने आया कि अली अकबर ने साजिश में शामिल अन्य दो आरोपियों को दिल्ली में अपने दोस्त रहमान के यहां ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराई थी
- वहीं जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने दिल्ली के सफदरगंज, पंजाब के मलेरकोटला, पठानकोट, अंबाला कैंट और हनुमानगढ़ के सैन्य क्षेत्र को निशाना बनाने की योजना बनाई थी

अजमेर, (निसं)। बम विस्फोट की साजिश के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अजमेर निवासी अली अकबर की दोस्ती पाकिस्तान में बैठे आतंकी शहजाद भट्टी से इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। इसी संपर्क के माध्यम से वह आतंकी गतिविधियों में शामिल हुआ और अन्य आरोपियों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा।

जांच में सामने आया कि अली अकबर ने साजिश में शामिल अन्य दो आरोपियों बुलंदशहर निवासी अनस और अंबाला निवासी जगबीर को दिल्ली में अपने दोस्त रहमान के यहां ठहरने की सुविधा भी उपलब्ध कराई थी। हरियाणा के अंबाला में एसटीएफ ने तीनों को विस्फोटक सहित गिरफ्तार किया था। सूत्रों के अनुसार, इंस्टाग्राम पर बातचीत के दौरान शहजाद भट्टी ने अली अकबर का ब्रेनवॉश किया और उसे पैसों का लालच देकर आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया। बाद में बातचीत के लिए 'सिग्नल' ऐप का इस्तेमाल किया जाने लगा, जहां से विस्फोट स्थलों के वीडियो भी साझा किए जाते थे। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने दिल्ली के सफदरगंज, पंजाब के मलेरकोटला, पठानकोट, अंबाला कैंट और हनुमानगढ़ के सैन्य क्षेत्र को निशाना बनाने की योजना बनाई थी। इनमें से हनुमानगढ़ के तोपखाने को उड़ाने की योजना को अंतिम रूप दिया गया था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां चौथे आरोपी की तलाश में जुटी हैं, जिसे विस्फोटक सौंपा जाना था। तीनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है।

युवक ने घर में फांसी लगकार आत्महत्या की

जोधपुर, (निसं)। सूरसागर स्थित नई रकासनी गांव में रहने वाले एक युवक ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। मृतक के नाना की तरफ से सूरसागर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया।

सूरसागर पुलिस ने बताया कि मगरापूंजला माता का थान निवासी हरिसिंह पुत्र जमनीराम की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका दोहिता 19 वर्षीय हिमांशु पुत्र पूनाराम नई रकासनी सूरसागर में रहता था। उसने अपने घर में फंदा लगा लिया। पता लगने पर अस्पताल लेकर गए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया। पुलिस ने मामले को लेकर जांच शुरु कर दी है।

Executive Engineer Water Resources Division Karauli

No. 5987 Date:- 12/03/2026

Notice Inviting Bid (N.I.T 05/2025-26)

Bids for 06 nos works under MJSA 2.0 Phase IInd are invited from interested bidders from 12.03.2026 to dated 23.03.2026 upto 10:00 AM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement in Total Rs. 189.13 Lacs.

NIB Code WRD2526A0793
UBN No. - WRD2526WSOBO2809, WRD2526WSOBO2810
WRD 2526WSOB02811, WRD2526WSOBO2812
WRD 2526WSOB02813, WRD2526WS0B02814

(Susheel Kumar Gupta)
Executive Engineer
Water Resources Divison Karauli

DIPR/C/5451/2026

OFFICE OFTHE DISTRICT SPORTS TRAINING CENTRE JALORE
E-Mail:jilakheladhikarijalore@gmail.com

No.जि.खे.प्र.के./B/132 DATE14/03/26

NOTICE INVITING TENDERS

The Bids For the District Sports Officer is purchasing boxing equipment and sports supplies for the sport of boxing in Jalore district under the PanchGaurav program. Therefore, open bids are invited from bonafide manufacturers/wholesalers/sole distributors/authorized dealers/marketers for the above supply (NIT NO.132 DATE 14/03/2006) Estimated Cost Rs. 15 Lacs) are invited From interested bidders up to 19.03.2026 other particular of the Bid may be visited on the procurement http://sppp.raj.nic.in) of the state. Portal(http://eproc.rajasthan.gov.in,

UBN NO. CJL2526GLOB00037

DISTRICT SPORT OFFICER OFFICE OF THE DISTRICT SPORTS TRAINING CENTRE JALORE

DIPR/C/5647/2026

बीकानेर में 11 साल बाद महिला टीचर की जॉइनिंग पर विवाद

नियमों की अनदेखी के आरोप लगाकर लोकायुक्त में शिकायत की

बीकानेर, (निसं)। एक महिला शिक्षिका को करीब 11 साल बाद दोबारा सरकारी सेवा में जॉइन कराने और सीधे शहर में पोस्टिंग देने का मामला विवादों में आ गया है। इस पर नियमों की अनदेखी के आरोप लगाते हुए लोकायुक्त में शिकायत की गई है। वहीं शिक्षा विभाग का कहना है कि पूरी प्रक्रिया नियमों के तहत ही की गई है।

बीकानेर के उदयरामसर गांव निवासी सीमा यादव ने लोकायुक्त को दी शिकायत में बताया कि संबंधित महिला शिक्षिका जालवाली गांव में पोस्टेड थी और 16 जुलाई 2014 से अवकाश पर चल रही थी। शिकायत में कहा गया है कि शिक्षिका लंबे समय तक बिना सूचना के गैरहाजिर रही, लेकिन इसके बावजूद विभाग ने नियमानुसार कोई सख्त कार्रवाई नहीं की।

परिवाद में उल्लेख किया गया है कि नियमों के अनुसार अगर कोई कर्मचारी 5 साल तक बिना सूचना के अनुपस्थित रहता है, तो उसे सेवा से हटाया जा सकता है। इसके बावजूद 16 जून 2025 को शिक्षिका को फिर से जॉइन करा दिया गया, जिसे नियमों के खिलाफ बताया जा रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जॉइनिंग के बाद शिक्षिका को गांव के बजाय सीधे बीकानेर शहर में पोस्टिंग दे दी गई, जो नियमों के विपरीत है। इस संबंध में करीब पांच पेज की शिकायत लोकायुक्त को दी गई है।

डीईओ किसनदान चारण ने बताया कि टीचर की जॉइनिंग और पोस्टिंग विभागीय नियमों और निर्देशों के अनुसार ही की गई है। लोकायुक्त से शिकायत मिलती है तो विभाग की ओर से पूरा जवाब दिया जाएगा। शिकायतकर्ता सीमा यादव का कहना है कि 11 साल बाद ज्वाइन कराने का कोई स्पष्ट नियम नहीं है। बीकानेर स्तर पर कार्रवाई नहीं होने के कारण ही लोकायुक्त में शिकायत की गई है।

पागल श्वान ने दस लोगों पर हमला किया

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत किराप में एक कुत्ते के पागल हो जाने से गांव में अफरा-तफरी मच गई। पागल कुत्ते (श्वान) के हमले में दो बुजुर्गों और एक बच्चे सहित 10 ग्रामीण घायल हो गए। पागल कुत्ते (श्वान) ने करीब आधा दर्जन गायों और भैंसों को भी काट लिया।

मिली जानकारी के अनुसार पागल हो जाने पर कुत्ता किराप की गलियों में दौड़ता रहा और ग्रामीणों को अपना शिकार बनाता रहा। सबसे पहले उसने घर से निकल रहे बुजुर्ग पर्वत सिंह को काटा। इसके बाद कुत्ते ने प्रेम सिंह, प्रवीण सिंह, पृथ्वी सिंह, कलावती, रामेश्वरी, तारा देवी, सुखदेव सहित अन्य व्यक्तियों को घायल कर दिया। घायल ग्रामीणों को तुरंत किराप के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मसूदा चिकित्सालय रेफर कर दिया।

भारत-पाक सीमा पर सुरक्षा कारणों से नए प्रतिबंध लागू

अनूपगढ़, (निसं)। जिले में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे क्षेत्रों में सुरक्षा कारणों से जिला प्रशासन ने प्रतिबंध लागू किए हैं। जिला कलैक्टर डॉ. मंजू ने आदेश जारी कर अंतरराष्ट्रीय सीमा से तीन किलोमीटर के दायरे में विशेष पाबंदियां लगाई हैं। ये आदेश श्रीगंगानगर, श्रीकरणपुर, पदमपुर, रायसिंहनगर, अनूपगढ़ और घड़साना उपखंडों से लगती सीमा पर प्रभावी रहेंगे।इन प्रतिबंधों के तहत, अंतरराष्ट्रीय सीमा से तीन किलोमीटर के क्षेत्र में शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक आम नागरिकों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। हालांकि, जिन किसानों को अपनी कृषि भूमि पर सिंचाई या अन्य आवश्यक कार्यों के लिए जाना होगा, उन्हें संबंधित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बॉर्डर पोस्ट अधिकारी या सेना के अधिकारी से पूर्व अनुमति लेनी होगी।

रात के समय इस क्षेत्र में तेज रोशनी और तेज ध्वनि वाले उपकरणों का उपयोग भी प्रतिबंधित किया गया है। इसमें पटाखे, बैंड, डीजे और अन्य तेज आवाज वाले साधन शामिल हैं। राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारी अपने आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान इन पाबंदियों से मुक्त रहेंगे। जिला मजिस्ट्रेट ने एक अलग आदेश में पाकिस्तानी लोकल सिम कार्ड के उपयोग पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन के अनुसार, सीमा के पास पाकिस्तानी मोबाइल टावरों का नेटवर्क भारतीय सीमा में लगभग तीन से चार किलोमीटर तक पहुंच सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है। इसी आशंका के मद्देनजर, जिले के उन सभी क्षेत्रों में जहां पाकिस्तानी नेटवर्क की पहुंच संभव है, किसी भी व्यक्ति द्वारा पाकिस्तानी लोकल सिम का उपयोग पूरी तरह वर्जित कर दिया गया है।

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ERCC/RCC 03)/2026)/2026/ई-14701

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या (ERCC/RCC 03)/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारी लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 33 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(महावीर प्रसाद मीणा)
निदेशक

DIPR/C/5222/2026

दलाल के जरिए तहसीलदार ने रिश्वत ली

जयपुर/अलवर। एसीबी ने कार्रवाई करते हुए अलवर जिले के गोविन्दगढ़ तहसीलदार बसन्त कुमार परसोया और उसके दलाल रवि उर्फ रिंकू को 1.50 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

- तहसीलदार व दलाल को 1.50 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि वसीयत के आधार पर मौसी के हिस्से की जमीन अपने नाम दर्ज कराने के लिए तहसील गोविन्दगढ़ में आवेदन किया था। इस मामले में उपखंड अधिकारी के आदेश के बावजूद तहसीलदार द्वारा फाइल लंबित रखकर रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत के सत्यापन में सामने आया कि आरोपी तहसीलदार बसन्त कुमार परसोया ने अपने दलाल रवि उर्फ रिंकू के माध्यम से पहले 5 लाख रुपए की मांग की। जिसे बाद में 3.50 लाख रुपए पर तय किया गया, जिस पर एसीबी अलवर प्रथम के प्रभारी व उप अधीक्षक पुलिस शब्बीर खान के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। इस दौरान दलाल रवि को परिवादी से पहली किश्त के रूप में 1.50 लाख रुपए लेते हुए पकड़ा गया। इसके बाद तहसीलदार बसन्त कुमार परसोया को भी कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया।

चौमूं : ढोढसर बस स्टैंड पर 75 दुकानें व 10 मकान ध्वस्त, मुआवजे को लेकर विवाद बढ़ा

- आरोप है कि एनएचएआई ने सीमा में आने वाले मन्दिरों और एक स्कूल पर भी कार्रवाई की गई, जबकि उन्हें हटाने से पहले उचित प्रक्रिया और मुआवजा दिया जाना चाहिए था
- मकान व दुकान मालिकों ने मुआवजे को लेकर नाराजगी जताई, साथ ही कार्रवाई को लेकर लोगों ने सवाल उठाए

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखंड के ग्राम ढोढसर के बस स्टैंड क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने स्थानीय प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। अभियान के दौरान करीब 75 दुकानों और 10 मकानों को जेसीबी मशीनों की मदद से ध्वस्त किया गया। दिनभर चली इस कार्रवाई के चलते क्षेत्र में हलचल और तनाव की स्थिति बनी रही। सुबह से ही प्रशासनिक अधिकारी भारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद जेसीबी मशीनों ने सड़क सीमा में बने अतिक्रमणों को हटाना शुरू किया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित रहे और कई बार विरोध के स्वर भी सुनाई दिए। मकान व दुकान मालिकों ने मुआवजे को लेकर नाराजगी जताई साथ ही कार्रवाई को लेकर लोगों ने उठाए सवाल। कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए।

भाजपा गोविन्दगढ़ मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह शेखावत और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पश्चिम अध्यक्ष गिरिराज देवन्दा ने कहा कि प्रभावित परिवारों को अब तक कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। उनका कहना है कि बिना पुनर्वास और उचित मुआवजे के इस तरह की कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं है। स्थानीय

ढोढसर के बस स्टैंड क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने स्थानीय प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

निवासी जगदीश प्रसाद खटीक ने आरोप लगाया कि उनका पुश्तैनी मकान ग्राम पंचायत के पट्टों पर बना हुआ था, इसके बावजूद बिना सुनवाई के उसे ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई से कई परिवारों के सामने आवास और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। भाजपा मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह शेखावत ने आरोप लगाया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में एकरूपता नहीं बरती गई। कहीं 30 मीटर, कहीं कम और कहीं अधिक सीमा तक तोड़फोड़ की गई, जिससे पक्षपात की आशंका पैदा होती है। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क के दोनों ओर समान रूप से कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एनएचएआई सीमा में आने वाले मन्दिरों और एक स्कूल पर भी कार्रवाई की गई, जबकि उन्हें हटाने से पहले उचित प्रक्रिया और मुआवजा दिया जाना चाहिए था। हालांकि क्षेत्र के कुछ लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण प्रशासन का अतिक्रमण हटाने के इस कदम का समर्थन भी किया। सड़क सीमा खाली होने से दुर्घटनाओं में कमी आएगी और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से की गई है। मौके पर पुलिस बल के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम भी मौजूद रही। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान नियमानुसार चलाया गया। जानकारी के अनुसार भाजपा मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह शेखावत कहा कि इस संबंध में हमारे उचित मांगों को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार को शिकायत भेजी जाएगी। साथ ही स्थानीय लोग एसडीएम चौमूं को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग करेंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश पर की गई राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सड़क के दोनों तरफ से 60 मीटर पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। सड़क के पहले छोर पर 30 मीटर व सड़क के दुसरे छोर पर 30 मीटर पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई गई है। अतिक्रमण हटाने कि कार्रवाई से लगभग 10 दिन पहले मकानों और दुकानों सहीत अन्य जगहों पर लाल मार्किंग कर, मकान एवं दुकानों से सामान हटाने के लिए लगातार कह रहे थे। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की पेट्रोलियम गाड़ी से भी अनाउंसमेंट कर दुकान व मकानों से समान हटाने को लेकर कहा जा रहा था। लेकिन तय समय पर दुकानों और मकानों से सामान नहीं हटाया गया जिसके बाद स्थानीय प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। दुकान व मकान मालिक अपनें कागजात जिला कलेक्टर या एडीएम के पास नियम अनुसार प्रस्तुत करके नियम अनुसार अपना मुआवजा ले सकते हैं। गोविन्दगढ नायब तहसीलदार सुरेश देवत गोविन्दगढ थाने के एएसआई जगदीश सिंह राजमार्ग प्राधिकरण जयपुर साईड इंजीनियर कार्तिक पारीक एवं वीरेन्द्र सिंह मौके पर मौजूद थे।

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-F.32(B) (After Policy 2026-27)/EX/L/2026-06481-9018219/779
दिनांक 17.03.2026

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचनाः-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा कमांक प.4 (1) वित्त/आब/2026 दिनांक 27 जनवरी, 2026 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 में संशोधन के प्रावधानानुसार नवीनीकरण से शेष रहे मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	23-03-2026	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रक्रियानुसार एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर "Citizen" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रू. 10,000 के गुणांक मे बढ़ाकर बोली लगानी होगी।
4. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस / पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
5. कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
6. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नही ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
7. प्रत्येक कलस्टर के लिये ऑनलाईन निलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी।
8. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
9. निर्धारित समय में वाँछित राशियाँ यथा धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
10. वर्ष 2026-27 के पात्र अनुज्ञधारियों को वर्ष कमशः 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तों पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
11. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
12. मदिरा क्लस्टर के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
13. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।

DIPR/C/____/2026 **आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर**

'हर घर जल' की दिशा में राजस्थान सरकार ने उठाया ऐतिहासिक कदम

'जल जीवन मिशन 2.0' के तहत एम.ओ.यू. करने वाला देश का पहला राज्य बना राजस्थान

जयपुर (कासं)। राजस्थान ने 'हर घर जल' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत नई गाइडलाइन्स के अनुसार भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के साथ एमओयू करने वाले देश के पहले राज्य बनने का गौरव

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया आभार**

प्राप्त किया है। यह एमओयू केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल की उपस्थिति में मंगलवार को जल शक्ति मंत्रालय, नई दिल्ली में हस्ताक्षिरत किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश की जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए इसके लिए केन्द्र सरकार से आग्रह किया था।

वहां से अनुमति मिलने के बाद यह एमओयू साइन किया गया है। यह एमओयू राज्य में जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय मंत्री कन्हैया लाल की उपस्थिति में मंगलवार को 'जल जीवन मिशन 2.0' के तहत एमओयू हुआ।

प्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस पहल के माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे विशेष रूप से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आएगा और दैनिक जीवन अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनेगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के विस्तारित स्वरूप को स्वीकृति मिलने के बाद मिशन को अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है।

यह एमओयू प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नल से स्वच्छ एवं नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने, सेवा गुणवत्ता में सुधार, समयबद्ध लक्ष्य प्राप्ति तथा पारदर्शिता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा सहित अन्य केन्द्रीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज करेंगे उद्योगपतियों से संवाद

- **इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन सहित तीन नई नीतियों का किया जाएगा अनावरण**
- **226 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास और 119 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का होगा लोकार्पण**

जयपुर । राजस्थान दिवस उपलक्ष्य में प्रदेशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के क्रम में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा बुधवार (18 मार्च) को उद्यमी संवाद समारोह का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उद्योगपतियों के साथ संवाद करेंगे। इस दौरान 3 नई नीतियों का अनावरण, विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास, लाभार्थियों को चेक, स्वीकृति पत्र, भूमि आवंटन पत्र सहित अन्य सौगातें भी दी जाएंगी।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में होने वाले इस आयोजन में मुख्यमंत्री राजस्थान इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान एयरोस्पेस एंड डिफेंस और राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी का अनावरण करेंगे। इसके अलावा रीको आद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास से जुड़े 119 करोड़ रुपये लागत के 40 कार्यों का लोकार्पण और 226 करोड़ रुपये के 46 कार्यों का शिलान्यास भी किया जाएगा।

शर्मा एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार और विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना के तहत लाभार्थियों को ऋण के चेक सौपेंगे। साथ ही, एमएसएमई नीति, निर्यात प्रोत्साहन नीति, आरएफसी की युवा उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र देंगे।

इस अवसर पर रीको के ऋण के स्वीकृति पत्र, जोधपुर-पाली-मारवाड़ और बूढ़ी बावल औद्योगिक क्षेत्रों के आरक्षण पत्र सहित लीज डीड और अलॉटमेंट लेटर भी प्रदान किए जाएंगे। वहीं, सीएसआर के तहत एसएमएस हॉस्पिटल और 'अपना घर' को डमी चेक भी दिए जाएंगे।

जयपुर कलक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी को मिला देश का सर्वोच्च राजकीय साहित्यिक सम्मान

राजस्थानी कहानी संग्रह 'भरखमा' को मिलेगा वर्ष 2025 का साहित्य अकादमी पुरस्कार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी को राजस्थानी भाषा में उनकी चर्चित कहानी संग्रह 'भरखमा' के लिए वर्ष 2025 का साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। देश की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष 24 मान्यता प्राप्त भारतीय भाषाओं में प्रकाशित उत्कृष्ट कृतियों को यह सर्वोच्च राजकीय साहित्यिक सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान के अंतर्गत एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि, प्रशस्ति-पत्र तथा प्रतीक-चिह्न प्रदान किया जाता है। साहित्य अकादमी पुरस्कार भारतीय साहित्य जगत का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है।

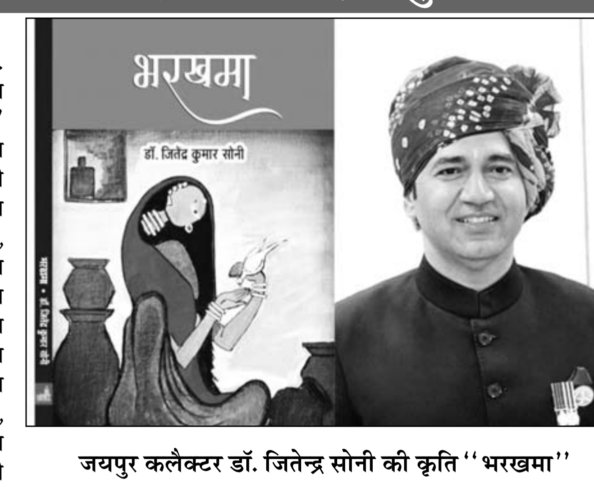

जयपुर कलैक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी की कृति ''भरखमा''

साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कार की घोषणा के साथ ही राजस्थानी साहित्य जगत में प्रसन्नता और हर्ष का वातावरण व्याप्त हो गया है। विभिन्न साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों, पाठकों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने डॉ. सोनी को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए इसे राजस्थान और राजस्थानी भाषा के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि करार दिया है।

डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी एक कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ संवेदनशील और प्रतिबद्ध साहित्यकार के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। यही कारण है कि प्रशासनिक दायित्वों की व्यस्तताओं के बीच भी उन्होंने साहित्य सृजन की अपनी साधना को निरंतर जारी रखा है। उनकी लेखनी में समाज, लोकजीवन, मानवीय संवेदनाओं और समकालीन यथार्थ का सशक्त एवं प्रभावी चित्रण देखने को मिलता है।

राजस्थानी और हिन्दी दोनों भाषाओं में सक्रिय डॉ. सोनी कहानी, कविता, डायरी लेखन तथा अनुवाद के क्षेत्र में निरंतर सृजनरत हैं। अब तक उनकी 15 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिन्हें पाठकों और साहित्यिक समीक्षकों द्वारा व्यापक सराहना प्राप्त हुई है। उनकी रचनाओं में लोक संस्कृति की गहरी समझ, मानवीय संबंधों की सूक्ष्म संवेदनाएँ तथा सामाजिक यथार्थ का जीवंत चित्रण प्रतिबिंबित होता है। डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी की कहानी संग्रह 'भरखमा'

- **प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी साहित्य के क्षेत्र में भी लहराया परचम**

राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियों में गिनी जाती है। इस संग्रह की कहानियाँ ग्रामीण परिवेश, मानवीय रिश्तों, जीवन संघर्ष और सांस्कृतिक मूल्यों को अत्यंत मार्मिक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती हैं। इस कृति की लोकप्रियता का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि इसी कहानी पर आधारित राजस्थानी फिल्म 'भरखमा' का भी निर्माण किया जा चुका है, जिसने क्षेत्रीय सिनेमा और साहित्य दोनों को नई पहचान प्रदान की है।

डॉ. सोनी को इससे पूर्व भी साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में राजस्थानी कविता संग्रह 'रणखार' के लिए साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली का युवा पुरस्कार उन्हें प्राप्त हुआ था।

इसके अतिरिक्त हिन्दी कविता संग्रह 'रेगमाल' के लिए राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर का 'सुधींद्र पुरस्कार' तथा राजस्थानी कहानी संग्रह 'भरखमा' के लिए राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर का 'मुरलीधर व्यास राजस्थानी कथा साहित्य पुरस्कार' सहित कई महत्वपूर्ण सम्मान उन्हें मिल चुके हैं।

29 नवंबर 1981 को ग्राम धन्नासर, जिला हनुमानगढ़ (राजस्थान) में जन्मे डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी वर्तमान में जयपुर के जिला कलेक्टर के रूप में कार्यरत हैं। राजस्थानी और हिन्दी में कहानी, कविता और डायरी लेखन के साथ-साथ उन्होंने अनुवाद और संपादन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी अब तक 15 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने उम्मीदों के चिराग, रेगमाल (हिन्दी कविता संग्रह), रणखार (राजस्थानी कविता संग्रह), एडियोस (हिन्दी कहानी संग्रह), भरखमा (राजस्थानी कहानी संग्रह), यादावरी (हिन्दी डायरी), ओकुहेपा (हिन्दी यात्रा वृत्तांत), लगमात (राजस्थानी डायरी), म्हारै पांती रा पाना (पंजाबी से राजस्थानी अनुवाद), देहरा में आज ई उगै है आपणा रूंख (अंग्रेजी से राजस्थानी अनुवाद), भणाई रो मारग (गुजराती से राजस्थानी अनुवाद), निर्वाण (पंजाबी से हिन्दी अनुवाद), शब्दों की सीप, अड़तालीस कदम तथा सनागत (संपादन) के द्वारा अपनी साहित्यिक यात्रा को एक अनहद मुकाम पर ले जा रहे हैं।

डॉ. सोनी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से न केवल जयपुर जिले बल्कि समूचे राजस्थान को गौरव प्राप्त हुआ है। साथ ही यह सम्मान राजस्थानी भाषा और साहित्य की समृद्ध परंपरा को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री समेत वरिष्ठ मंत्रियों से की शिष्टाचार भेंट

उन्होंने राजस्थान के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न प्राथमिकताओं पर सार्थक चर्चा की

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों तथा संगठन के शीर्ष नेतृत्व से शिष्टाचार भेंट कर राजस्थान के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न प्राथमिकताओं पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के लिए आवश्यक सहयोग एवं समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट कर प्रदेश की कानून-व्यवस्था, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास संबंधी विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से राजस्थान को विकास की नई ऊंचाइयों पर पंहुचने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, चिकित्सा के आधारभूत ढांचे के विस्तार तथा आयुष्मान भारत के प्रभावी क्रियान्वयन पर सकारात्मक चर्चा की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट कर राजस्थान के समावेशी विकास, आर्थिक प्रगति तथा आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के विषयों पर चर्चा की। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मिल रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से भेंट कर उन्हें जन्मदिवस की आत्मीय बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर 'राम जल सेतु लिंक परियोजना' तथा जल जीवन मिशन की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार का संकल्प है कि राजस्थान के अंतिम छोर तक प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ पेयजल की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी से भेंट कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण, उपभोक्ता हितों की सुरक्षा तथा अक्षय ऊर्जा के विस्तार पर विचार-विमर्श किया।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, अंतरराष्ट्रीय भाषाओं के शिक्षण तथा युवाओं के लिए रोजगारपरक शिक्षा के अवसर बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षित प्रदेश, उन्नत प्रदेश के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

नई दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री को भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संगठन के सशक्तीकरण एवं कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठन का मार्गदर्शन सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय और 'डबल इंजन सरकार' की प्रतिबद्धता के साथ राजस्थान में विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश में विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा और आमजन को इसका व्यापक लाभ मिलेगा।

'प्रगति रिपोर्ट पेश कर बताए मंडी अध्यक्ष की एफआईआर पर क्या जांच की?'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-18 ने मुहाना मंडी थाना पुलिस से 23 मार्च तक बताने को कहा है कि दो साल पहले मुहाना मंडी अध्यक्ष की ओर से दर्ज धोखाधड़ी की एफआईआर में अब तक क्या जांच की गई है। अदालत ने यह आदेश परिवादी पप्पू लाल कुम्हार के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता विकास सोमानी ने अदालत को बताया कि परिवादी मुहाना मंडी में फल व सब्जी का व्यापारी है और फल सब्जी संयुक्त व्यापार संघ का अध्यक्ष है। परिवादी के पास अप्रैल, 2017 में चौरडिया ग्रुप के मालिक विनय चौरडिया और अरिहंत एंटरप्राईजेज के अधिकृत प्रतिनिधि मनीष भंडारी और अरिहंत भंडारी आए और उनकी आवासीय योजना घर आंगन में फ्लैट बेचने में सहयोग मांगा और बुकिंग पर पांच फीसदी लाभांश देने का वादा किया। इसके बाद उन्होंने परिवादी के नाम से योजना के पंफलैट बंटवाए। इस दौरान करीब 132 लोगों ने परिवादी के जरिए योजना में बुकिंग कराई। वहीं बुकिंग कराने वालों को ऊंची दरों पर होम लोन दिलवाकर राशि अरिहंत एंटरप्राइजेज ने प्राप्त कर ली। जिसके ब्याज की किस्त बुकिंग कराने वाले जमा करा रहे हैं, जबकि उन्हें कहा गया था कि किस्त पजेशन के बाद शुरू होगी।

भर्ती परीक्षाओं में ''डमी अभ्यर्थी'' बैठाकर नौकरी पाने वाले 2 दबोचे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल के मामलों पर शिकंजा कसते हुए स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने राजस्थान लोकसेवा आयोग की वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) भर्ती-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास कराने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी ने इस प्रकरण में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एसओजी के एडीजी विशाल बसंल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में भादुओं की बेरी निवासी अशोक कुमार विश्नोई शामिल है, जिसने अपनी जगह डमी अभ्यर्थी बैठाकर वरिष्ठ अध्यापक के पद पर चयन प्राप्त किया था। इसके साथ ही एक अन्य मामले में सुरतराम मीणा की जगह परीक्षा देने वाले विजयपाल विश्नोई को भी गिरफ्तार किया गया है।

जांच में सामने आया कि अशोक कुमार विश्नोई ने भर्ती परीक्षा के दोनों पेपर स्वयं नहीं दिए। सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय के पेपर में उसने हनुमानाराम को डमी अभ्यर्थी बनाकर परीक्षा दिलवाई थी। हनुमानाराम, जो स्वयं शिक्षक है, को एसओजी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मुकदमा दर्ज होने के बाद अशोक दो वर्षों से फरार चल रहा था, जिस पर गिरफ्तारी वारंट के साथ 5 हजार का इनाम घोषित था। इसी प्रकार जांच में यह भी खुलासा हुआ कि सुरतराम मीणा ने विज्ञान विषय के पेपर में

- **एस.ओ.जी. ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) भर्ती-2022 को लेकर कार्रवाई की**

महिपाल विश्नोई तथा सामान्य ज्ञान व शैक्षिक मनोविज्ञान के पेपर में विजयपाल विश्नोई को डमी अभ्यर्थी बनाया था। महिपाल को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि विजयपाल विश्नोई को अब दबोचा गया है। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित था। एसओजी के अनुसार भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी से जुड़े इस नेटवर्क की जांच जारी है और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राजपूताना रियासतों के ऐतिहासिक और प्रशासनिक महत्व के बहुमूल्य अभिलेखों की प्रदर्शनी शुरू

जयपुर । राजस्थान राज्य अभिलेखागार बीकानेर द्वारा 'राजपूताना की रियासतों के ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक महत्व के बहुमूल्य अभिलेख' विषय पर लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का शुभारम्भ उपमुख्यमंत्री तथा कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को किया। उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी के आमेर के मिर्जा राजा जयसिंह द्वारा पुत्र रामसिंह को लिखे पत्र का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में सवाई जयसिंह द्वारा (जयपुर शहर सन् 1727 ई. बसाने के दौरान) लिखे परवाना का भी अवलोकन किया। जिसमें व्यापारियों को व्यापार-

- **जवाहर कला केन्द्र की अलंकार दीर्घा में सुबह 10 बजे से रात 8 बजे निःशुल्क रहेगी प्रदर्शनी**

वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए व्यापारियों के मुखिया रामकिशन को परवाना भेजा गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को राज्य अभिलेखागार बीकानेर की प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के बाद अवलोकन किया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को राजस्थान राज्य अभिलेखागार बीकानेर के निदेशक चंद्रसेन सिंह शेखावत ने अवगत कराया कि प्रदर्शनी में वकील रिपोर्ट, हिंदू महासभा कोटपूतली के लिए जयपुर राज्य परिषद् द्वारा पारित रिजोल्यूसन, वकील रिपोर्टस्, खरीते, अर्जदारत, आदेश, परवाना को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में सन् 1885 ई. में जम्मू-कश्मीर के महाराजा के राज्याभिषेक पर उदयपुर महाराजा फतेहसिंह बहादुरजी को भेजा गया खरीता प्रदर्शित किया गया है। इसी प्रकार अलवर राज्य परिषद् द्वारा महिला शिक्षा पर विशेष बल संबंधित संकल्प भी इसी प्रदर्शनी में दिखाया गया है।

अलवर और भरतपुर राज्य के बीच रूपारेल नदी विवाद को सुलझाने के संबंध में किया गया एग्रीमेंट, झालावाड़ राज्य द्वारा बाल विवाह एक्ट सन् 1927 के तहत बेमेल विवाह को रोकने संबंधित आदेश, उदयपुर राज्य महाराणा सरूप सिंहजी द्वारा कोटा महाराव को सती प्रथा रोकने संबंधी (बड़े साहब के आदेश के तहत) आदेश की नकल इस प्रदर्शनी में रखी गई है। इन अभिलेखों के अलावा सभी 19 रियासतों के तत्कालीन नक्शे, राजचिह्न, इनके संस्थापकों और इनकी वंशावली संबंधित फोटो, सन् 1857 ई. की क्रांति (प्रथम स्वतंत्रता संग्राम) से संबंधित अति महत्वपूर्ण अभिलेख, बीकानेर स्टेट की ऊटों की सेना गंगा रिसाला संबंधित अभिलेख को प्रदर्शित किया गया है। डूंगरपुर-बांसवाड़ा राज्यों की पहाड़ी मानगढ़ पर सन् 1913 ई. में गोविन्द गुरू के नेतृत्व में हुए सम्मेलन पर ब्रिट्रिश सरकार द्वारा गोलियां चलाकर किया गया नरसंहार संबंधित ऐतिहासिक अभिलेख को प्रदर्शित किया गया।

चितौड़गढ़ के महाराणा प्रताप और अकबर के मध्य हुए हल्दीघाटी युद्ध सन् 1576 ई. के दौरान उनके घोड़े चेतक का घायल होना तथा उसकी मृत्यु पर महाराणा प्रताप द्वारा शोक संताप, गाँवों को भूमिदान देने संबंधित ताम्रपत्र को प्रदर्शित किया हैं।

वायसराय और गवर्नर-जनरल ऑफ इंडिया लॉर्ड लैंसडाउन (1888) का भरतपुर महाराज साहब को लिखा पत्र प्रदर्शित किया गया है। इसी प्रकार 1927 के हिंदी साहित्य सम्मेलन में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिका पत्र जैसे ऐतिहासिक दस्तावेज प्रदर्शनी में विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं। बीकानेर के पुस्तकालय में संधारित दुर्लभ पुस्तकों को भी प्रदर्शनी में आमजन के लिए प्रदर्शित किया गया है।

जिसमें रिपोर्ट राज मारवाड़ 1891, बीकानेर गोल्डन जुबली 1887-1937, थॉमस हेडली द्वारा लिखित रुलर्स ऑफ़ इंडिया एंड द चीफ ऑफ़ राजपूताना, द किंग एंड क्वीन इन इंडिया 1911-12, द प्रिंस इन इंडिया 1921-22, मेडिकल टोपोग्राफिकल अकाउंट ऑफ़ अजमेर राजपूताना - 1900 इत्यादि पुस्तके के भी प्रदर्शित की गई है। यह प्रदर्शनी सुबह 10 से रात 8 बजे तक जवाहर कला केंद्र में आमजन के लिए निःशुल्क रहेगी।

मारवाड़ ट्रैवल मार्ट पर मंथन

एफ.एच.टी.आर की ओर से मारवाड़ ट्रैवल मार्ट जोधपुर के आयोजन को लेकर इंटरैक्टिव बैठक की गई।

जोधपुर । फैडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफ.एच.टी.आर) ने पर्यटन विभाग के सहयोग से आगामी मारवाड़ ट्रैवल मार्ट जोधपुर के आयोजन को लेकर रणनीतिक इंटरैक्टिव बैठक की। यह पहल महाराजा गज सिंह के मार्गदर्शन में हुई, जिसका उद्देश्य मारवाड़, जोधपुर और पूरे थार क्षेत्र को एक प्रमुख वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। यह बैठक आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के लिए एक सशक्त मंच सिद्ध हुई, जहाँ सभी ने मिलकर इस महत्वपूर्ण आयोजन की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। मारवाड़ ट्रैवल मार्ट जोधपुर का उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भव्य परिदृश्य एवं उत्कृष्ट आतिथ्य परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करना है।

विशेष रूप से स्थानीय कला, लोक संस्कृति, पारंपरिक विरासत, ग्रामीण जीवन शैली एवं प्रामाणिक पर्यटन अनुभवों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया जाएगा। बैठक में एफ.एच.टी.आर. के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा, जोधाना होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स सोसाइटी के अध्यक्ष जे. एम. बूब, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़, ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ जोधपुर के अध्यक्ष गजराज सिंह शेखावत, एफ.एच.टी.आर. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह पचार, महासचिव तरुण बंसल, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह जोधा, राजेश सिंघवी, दीपक परिहार रघुवेन्द्र सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा

जयपुर । पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर व राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने मंगलवार को विभागीय समीक्षा में बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को लेकर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सभी बजट घोषणाएं तय समय में पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करें। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और आमजन से जुड़े मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई।

मंदिरों को पट्टे वितरण, जन समस्या समाधान शिविर, पंचायतों की नियमित मॉनिटरिंग और ऑनलाइन सिस्टम को मजबूत करने पर जोर दिया गया। साथ ही घुमंतु परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने नई पंचायतों के लिए भूमि एवं भवन की व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने, जल संरक्षण, स्वच्छता और पॉलिथीन पर रोक के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर भी विशेष जोर दिया गया।

उन्होंने वर्ष 2013 में जिला परिषदों द्वारा ली गई लिपिक भर्ती को एक सप्ताह में एसओजी को भेजने के निर्देश दिए।

चौमूं में तेज रफ्तार थार गाड़ी ने स्कूटी सवार पिता-पुत्र को कुचला, दोनों की मौत

हादसे में स्कूटी सवार सेवानिवृत्त सरकारी शिक्षक और वकील बेटे की मौत हो गई

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। जयपुर ग्रामीण के गोविंदगढ़ थाना इलाके में मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे ने हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन ली। गलत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार थार गाड़ी ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी सवार सेवानिवृत्त सरकारी शिक्षक और उनके वकील बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 9 वर्षीय पोता घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

गोविंदगढ़ थानाधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि मृतकों की पहचान चौमूं कस्बे के वार्ड नंबर एक निवासी सत्यनारायण सैनी (68) और उनके पुत्र विजेंद्र सैनी (45) के रूप में हुई है। विजेंद्र पेशे से वकील थे। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे विजेंद्र अपने पिता सत्यनारायण और बेटे मनवीर (9) के साथ स्कूटी पर सवार होकर चौमूं से श्रीमाधोपुर जा रहे थे। विजेंद्र के ससुराल में जलवा पूजन का कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने के लिए तीनों घर से निकले थे। हादसा भदाला कट के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक थार गाड़ी गलत दिशा (रॉन्ग साइड) से तेज रफ्तार में आ रही थी, जिसने स्कूटी को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। स्थानीय लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस और पुलिस को सूचना दी। अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने पिता-पुत्र को मृत घोषित कर दिया, जबकि बच्चे की जान बाल-बाल बच गई। हादसे के बाद

हादसे के बाद पुलिस ने थार गाड़ी को जब्त किया।

- **गोविंदगढ़ थाना इलाके में गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार थार गाड़ी ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी थी**

थार सवार लोग गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटनाग्रस्त थार को जब्त कर लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए टीमें रवाना की है। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवाया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। विजेंद्र चार भाइयों में से एक थे और उनके पीछे एक बेटा व एक बेटी है। इस हृदय विदारक घटना के बाद चौमूं के वार्ड नंबर एक में शोक की लहर दौड़ गई है।

बदमाशों ने टोंक के पलाई टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ की

- **अचानक हुए इस हमले से टोलकर्मी घबरा गए और भाग कर जान बचाई**

टोंक, (निसं)। उनियारा थाना क्षेत्र के पलाई टोल प्लाजा पर सोमवार रात्रि को बदमाश तोड़फोड़ कर भाग गये। बादमाश सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गये। हादसे के दौरान तीन गाड़ियों में भरकर आए बदमाशों ने टोल पर जमकर तोड़फोड़ की। अचानक हुए इस हमले से टोलकर्मी घबरा गए और अपनी जान बचा कर काउंटर छोड़ कर भाग निकले। बाद में बदमाशों ने लाठियों से काउंटर के कांच तोड़ दिए और काउंटर का सामान भी बिखेर दिया। पूरा मामला टोल पर लगे सीसीटीवी कमरे में कैद हो गया। इस मामले में मंगलवार को टोल एकाउंटेंट राजकुमार चौधरी ने उनियारा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाकर टोल पर लाखों रुपए का नुकसान होने की बात कही है।

पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए उनियारा डीएसपी और उनियारा थाना प्रभारी को मामले की जांच के आदेश दिये। टोल प्लाजा पलाई के एकाउंटेंट राजकुमार चौधरी ने बताया कि सोमवार देर रात को तीन गाड़ियां नैनवा की ओर से आईं तथा टोल लेन पर पहुंचते ही एक कार ने पहले बैरिकेड्स को टक्कर मारकर तोड़ दिया। इसके बाद गाड़ियां वहीं रोक दी गई और उनमें से युवक लाठियां लेकर बाहर निकले, उन्होंने बिना किसी कारण टोल बूथ पर हमला शुरू कर दिया और करीब 10 से 15 मिनट तक जमकर तोड़फोड़ की। इस दौरान टोल काउंटरों के शीशे टूट गए और अंदर रखा सामान बिखर गया। अचानक हुए इस हमले से टोल प्लाजा के कर्मचारी घबरा गए और अपनी जान बचाने के लिए मौके से भाग निकले। घटना की सूचना मिलने पर राजकुमार चौधरी मौके पर पहुंचे तो बूथ क्षतिग्रस्त हालत में मिले। तोड़फोड़ के बाद कर्मचारी घबरा गए और अपनी जान बचाने के लिए मौके से भाग गए। टोल प्लाजा की घटना में करीब 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। बाद में रिपोर्ट दर्ज कराकर पुलिस से जल्द आरोपियों को पकड़कर उन पर कार्यवाही की मांग की है।

सड़क हादसे में एक की मौत : लालसोट थाना क्षेत्र के देवली गांव में सड़क पर लापरवाही से खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली एक युवक की मौत का कारण बन गई। सोमवार रात पपलाज माता मंदिर के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक ट्रॉली से जा भिड़े, जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार देवली गांव में सड़क किनारे ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी थी। इसी दौरान देवली की ओर जा रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पीछे से ट्रॉली में जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही लालसोट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को लालसोट जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जयपुर रेफर कर दिया।उपचार के दौरान देवली निवासी अंकित प्रजापत ने दम तोड़ दिया, जबकि दूसरा युवक जितेश प्रजापत गंभीर हालत में जयपुर में जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा है। हादसे के बाद पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक और ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाने में खड़ा करवा दिया है। घटना ने एक बार फिर सड़क पर खड़े वाहनों की लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी पर सवाल खड़े कर दिए।

मानवाधिकार आयोग के नाम पर फर्जी टीम बनाकर क्रशरों संचालकों से वसूली

- **कार पर पुलिस का लोगो और राजस्थान स्टेट ग्रीवेंस ऑफिसर की प्लेट लगाकर पहुंचे थे चार आरोपी**
- **माइनिंग एसोसिएशन की सतर्कता से चारों आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया**

पाटन, (निसं)। स्थानीय पुलिस थाना क्षेत्र में मानवाधिकार आयोग के नाम का दुरुपयोग कर क्रशर संचालकों को धमकाकर अवैध वसूली करने का मामला सामने आया है। कार पर पुलिस का लोगो और राजस्थान स्टेट ग्रीवेंस ऑफिसर की प्लेट लगाकर पहुंचे चार आरोपियों ने जांच के नाम पर क्रशर बंद करवाने की धमकी दी और हजारों रुपए ऐंठ लिए। माइनिंग एसोसिएशन की सतर्कता से चारों आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।काशतपुरा निवासी लीलाधर सैनी ने पाटन थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह भागेश्वर (डोकन) के पास स्थित स्टार स्टोन क्रशर पर मुनीम है। 16 मार्च को शाम करीब साढ़े चार बजे एक ऑल्टो कार में सवार चार व्यक्ति क्रशर पर पहुंचे। कार पर पुलिस का लोगो और राजस्थान स्टेट ग्रीवेंस ऑफिसर की प्लेट लगी हुई थी। आरोपियों ने खुद को मानवाधिकार संगठन से जुड़ा बताते हुए खनन संबंधी दस्तावेजों की जांच का नाटक किया और क्रशर बंद करवाने की धमकी देकर पैसे मांगने लगे। डर के चलते मोलभाव के बाद मुनीम से चार हजार रुपए ले लिए। बाद में जांच करने पर पता चला कि आरोपियों का मानवाधिकार आयोग से कोई संबंध नहीं है और वे फर्जी तरीके से वसूली कर रहे थे। आरोपियों ने अपने नाम भैंरूराम गुर्जर, रमेशचंद रैगर, रोहिताश रैगर और तुलसीराम गुर्जर बताए हैं। घटना सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई है, जिसकी फुटेज पुलिस को सौंप दी गई है। साथ ही नथुवाला स्थित एक अन्य क्रशर से भी दस हजार रुपए वसूली की बात सामने आई है।

इधर, माइनिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष सुंदरमल सैनी, महेंद्र गोयल और सचिव शंकर सैनी ने बताया कि आरोपी लंबे समय से संगठन के नाम का दुरुपयोग कर क्रशर संचालकों को धमका रहे थे। सूचना मिलते ही पदाधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों से संपर्क किया और उनकी गाड़ी को गावड़ी मोड़ स्थित एक पेट्रोल पंप पर रुकवाया। इसके बाद मौके पर पहुंचकर चारों को पकड़कर गाड़ी सहित नीमकाथाना सदर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

सदर थाना अधिकारी राजेश डूडी ने बताया कि चारों आरोपी कोट-पेंट पहनकर गले में आई-कार्ड लगाए हुए थे, जिससे वे खुद को अधिकृत अधिकारी बताकर लोगों को गुमराह कर रहे थे। पूछताछ के बाद उन्हें पाटन थाने भेजा गया है। पाटन थाना अधिकारी रमेश मीणा के अनुसार रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीकानेर में 46 घरेलू सिलेंडर जब्त किये

बीकानेर, (निसं)। शहर में घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और अवैध रिफिलिंग के खिलाफ रसद विभाग ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए 46 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। देर रात नरेश शर्मा के नेतृत्व में जिला रसद विभाग की टीम ने सर्वोदय बस्ती में मुखबिर की सूचना पर एक संदिग्ध बाड़े पर छापा मारा। जांच के दौरान वहां से 38 घरेलू गैस सिलेंडर, गैस रिफिलिंग मोटर और तौल कांटा बरामद किया गया। मौके पर मुक्ता प्रसाद थाना पुलिस की टीम को बुलाकर आवश्यक कार्रवाई की गई। रसद अधिकारी ने बताया कि संभागीय आयुक्त और जिला कलैक्टर के निर्देश पर घरेलू गैस के व्यावसायिक दुरुपयोग को रोकने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत रात के समय शहर के कई स्थानों पर निरीक्षण किया गया।

चारागाह भूमि पर किए जा रहे अवैध खनन से ग्रामीण परेशान

ब्लास्टिंग के दौरान बड़े-बड़े पत्थर खेतों में आकर गिरने से किसानों व ग्रामीणों में भय

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड के ग्राम लूलवा के दांती का बाड़िया में चरागाह भूमि पर किए जा रहे अवैध खनन से आसपास के काश्तकारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

खनन के दौरान खेतों में आने वाले पत्थरों के कारण काश्तकार खेती नहीं कर पा रहे हैं और काश्त की जमीन भी धीर-धीरे बेकार हो रही है। अवैध खननकर्ता को बार-बार समझाने के बाद भी वह अवैध खनन से बाज नहीं आ रहा है। उल्टा काश्तकारों को धमकियां देते हुए उन्हें परेशान किया जा रहा है। अवैध खनन तथा खननकर्ता की धमकियों से परेशान ग्रामीण मंगलवार को जिला कलैक्ट्रेट पहुंचे, जहां पर उन्होंने जिला कलैक्टर को एक ज्ञापन देकर अवैध खनन को रूकवाने तथा खननकर्ता को इस हेतु पाबंद करने की मांग की। जिला कलैक्टर को दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम लूलवा के दांती के बाड़िया में मवेशियों के चरने के लिए चरागाह भूमि पर कैलाशचंद पुत्र देवा द्वारा अवैध रूप से खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि खनन के दौरान किए जाने वाले ब्लास्टिंग के दौरान बड़े-बड़े पत्थर खेतों में आकर गिरते हैं, जिसके कारण खेती का काम करने वाले किसानों को भय सताता रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि अवैध खननकर्त्ता को इस बाबत मना करने पर उल्टा काश्तकारों को पुलिस में फंसाने की धमकियां देता है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से शीघ्र ही इस और ध्यान देकर अवैध खनन को बंद करवाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में प्रवीण कुमार, विशाल, भागचंद, सीता देवी तथा प्रकाश आदि शामिल रहे।

इस दौरान मौके पर उपस्थित डिप्टी राजेश कसाना तथा तहसीलदार हनुतसिंह ने ग्रामीणों से बातचीत कर शीघ्र ही उनकी समस्या का समाधान करवाने की आश्वासन दिया।

विवाहिता बिना बताए घर से लापता

जोधपुर, (निसं)। जोधपुर कमिश्नरेट के राजीव गांधी थाना इलाके में एक 25 वर्षीय विवाहिता बिना बताए घर से चली गई। घर से जाते समय वह नकदी और सोना-चांदी के गहने भी अपने साथ ले गई। महिला के पति की तरफ से थाने में रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट में बताया कि उसकी पत्नी रात के समय बिना बताए घर से कहीं चली गई। जाते समय वह 50 हजार रुपए और सोने-चांदी के गहने ले गई। इसमें सोने के 6 तोला और चांदी के एक किलो दौ सौ ग्राम गहने शामिल हैं। गहनों की अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए से ज्यादा है।

पीड़ित ने बताया कि इसके बाद उसने आस-पड़ोस और रिश्तेदारी में पता किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सहायक उपनिरीक्षक पुजराज सिंह को सौंपी है। वहीं, भगत की कोठी थाना इलाके में 19 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है।

बयाना में लैपर्ड का आतंक, लोगों में दहशत

- **लैपर्ड ने रिहायशी इलाके में गौवंश का शिकार किया**

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना-करौली बॉर्डर (डांग क्षेत्र) में एक बार फिर लैपर्ड (तेंदुआ) की दहशत देखने को मिली है। बयाना-करौली बॉर्डर से सटे डांग इलाके में सोमवार देर रात करीब 12 बजे एक लैपर्ड ने रिहायशी क्षेत्र में घुसकर गाय का शिकार कर लिया। घटना के बाद इलाके में भय का माहौल बन गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लैपर्ड ने गाय पर हमला करने के बाद उसे मार डाला और करीब कुछ मिनटों तक वहीं बैठा रहा। इस दौरान आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया, गाड़ियों की लाइटें जलाईं, लेकिन लेपर्ड बिना डरे मौके पर डटा रहा। इससे लोगों में और ज्यादा दहशत फैल गई। गांव के कुछ युवकों ने मौके पर मौजूद रहकर लैपर्ड के शिकार का वीडियो भी बना लिया, जो अब इलाके में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में लेपर्ड का बेखौफ अंदाज साफ देखा जा सकता है। दूसरे इलाके में भी हमला इसी तरह की एक और घटना सवाई माधोपुर शहर के पास सामने आई है, जहां एक लैपर्ड ने भैंस को मार डाला। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही को लेकर चिंता बढ़ गई है। डांग इलाके में बढ़ रही हलचल विशेषज्ञों का मानना है कि डांग क्षेत्र में जंगलों के पास बसे गांवों में भोजन की तलाश में लैपर्ड रिहायशी इलाकों की ओर आ रहे हैं। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति बन रही है। प्रशासन से कार्रवाई की मांग ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि इलाके में गश्त बढ़ाई जाए और लैपर्ड को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग रात के समय घरों से बाहर निकलने में डर महसूस कर रहे हैं।

स्टेनोग्राफर ने ढाई हजार की रिश्वत ली

जयपुर/झुंझुनूं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनूं टीम ने मंगलवार को कार्यवाही करते हुए जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र के स्टेनोग्राफर नीरज कुमार को ढाई हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एक परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने जिला उद्योग विभाग में प्रधानमंत्री एम्प्लॉयमेंट जनरेशन प्रोग्राम (पीएमईजीपी) योजना के तहत 5 लाख रुपये के ऋण के लिए आवेदन किया था। इस ऋण को अप्रूव करने के बदले विभाग का स्टेनोग्राफर नीरज कुमार उसे ढाई हजार रुपये की रिश्वत के लिए परेशान कर रहा था। एसीबी जयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के निर्देश पर शिकायत का गोपनीय सत्यापन करवाया गया। मंगलवार को एसीबी टीम ने आरोपी नीरज कुमार ने परिवादी से ढाई हजार रुपये की रिश्वत ली, टीम ने उसे दबोच लिया।

राजस्थान हाईकोर्ट : डिज़िटल सबूत की क्लोन कॉपी आरोपी का अधिकार

- **ट्रायल कोर्ट का आदेश रद्द, भ्रष्टाचार मामले में मिलेगी मूल रिकॉर्डिंग की क्लोन कॉपी**
- **राजस्थान हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के एक मामले में फैसला सुनाते हुए चित्तौड़गढ़ स्पेशल जज के आदेश को रद्द किया**

जोधपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए चित्तौड़गढ़ स्पेशल जज के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने आदेश पास करते हुए ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि आरोपी को मूल डिजिटल रिकॉर्डिंग की हैश वैल्यू सहित क्लोन कॉपी उपलब्ध कराई जाए।

जानकारी के अनुसार जयपुर के 20 रघुविहार, महारानी फार्म निवासी किशन अग्रवाल के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) चित्तौड़गढ़ पुलिस स्टेशन से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। चित्तौड़गढ़ की विशेष न्यायालय (स्पेशल जज, प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट कोर्ट) में केस नंबर चल रहा है। इस मामले में आरोपी याचिकाकर्ता किशन अग्रवाल ने ट्रायल कोर्ट के समक्ष दो आवेदन दिए थे। पहले आवेदन में रिश्वत की कथित मांग की मूल रिकॉर्डिंग की क्लोन कॉपी और हैश वैल्यू मांगी गई थी। दूसरे आवेदन में जब्त राशि की फर्द, घटना की फोटो, वीडियोग्राफी और पूरी बातचीत की रिकॉर्डिंग मांगी गई थी। चित्तौड़गढ़ स्पेशल जज ने 1 सितंबर 2025 को दोनों आवेदन खारिज कर दिए। जिसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने राजस्थान हाईकोर्ट में पिटिशन दायर की।

याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष (प्रॉसिक्यूशन) के मुताबिक रिश्वत की मांग की तीन अलग-अलग बातचीत डिजिटल वॉइस रिकॉर्डर पर रिकॉर्ड की गई थी, लेकिन न तो कोई डिजिटल वॉइस रिकॉर्डर और न ही कोई मूल रिकॉर्डिंग डिवाइस की क्लोन कॉपी चार्जशीट के साथ दाखिल की गई। वकील ने तर्क दिया कि आरोपी को जो सीडी और ट्रांसक्रिप्ट दिया गया है, वह मनमाना तरीके से बनाया गया है और मूल रिकॉर्डिंग से मेल नहीं खाता। वकील ने यह भी तर्क दिया कि हैश वैल्यू सहित मूल मीडिया डिवाइस की क्लोन कॉपी मिलने से ही आरोपी रिकॉर्ड की प्रामाणिकता जांच सकता है और प्रभावी बचाव कर सकता है। कोर्ट ने पाया कि इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के सामने आने और आरोपी के अधिकारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट तथा इस हाईकोर्ट के कोऑर्डिनेट बेंच के स्पष्ट निर्णय उपलब्ध हैं। संदर्भ फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मेमोरी कार्ड/पेनड्राइव की सामग्री दस्तावेज है और अभियोजन पक्ष यदि उस पर निर्भर करता है, तो आरोपी को उसकी क्लोन कॉपी मिलना जरूरी है। कोर्ट ने पाया कि ट्रायल कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की महत्ता और इससे संबंधित कानूनी सिद्धांतों की सही तरह से सराहना नहीं की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता ने कोई नया दस्तावेज नहीं मांगा, बल्कि केवल उस सामग्री की प्रमाणित प्रति मांगी है, जिसे अभियोजन पक्ष अपने मामले के समर्थन में उपयोग करना चाहता है। कोर्ट ने कहा कि हैश वैल्यू के बिना इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की प्रामाणिकता की जांच संभव नहीं है और ऐसे में आरोपी का प्रभावी बचाव करना असंभव हो जाता है। इसी आधार पर जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने चित्तौड़गढ़ स्पेशल जज के 1 सितंबर 2025 के आदेश को रद्द करते हुए ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि आरोपी किशन अग्रवाल को मूल डिजिटल रिकॉर्डिंग की हैश वैल्यू सहित क्लोन कॉपी दी जाए।

जालोर : गणपतसिंह माण्डोली हत्याकांड का पर्दाफाश, महिला सहित तीन जने गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के चर्चित गणपतसिंह माण्डोली हत्याकांड का आखिरकार पुलिस ने मंगलवार को पर्दाफाश कर दिया। करीब 18 महीने तक उलझी रही इस मर्डर मिस्ट्री में पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले का पर्दाफाश होने के बाद पिछले उन्नीस दिन से जारी भूख हड़ताल को रानीवाड़ा पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल ने स्व. गणपतसिंह की माता को ज्यूस पिलाकर धरना समाप्त करवाया।

जांच में सामने आया कि अवैध संबंध और ब्लैकमेलिंग इस हत्या की मुख्य वजह बनी। कल्याणसिंह पुत्र रणसिंह निवासी माण्डोली पुलिस थाना रामसीन ने एक लिखित रिपोर्ट दी। बताया कि मेरा भाई गणपतसिंह 27 अगस्त 2024 को रात्रि में अपनी मोटरसाइकिल लेकर अपनी दुकान से कहीं पर चला गया था, जो पुनः नहीं आने पर हमारे द्वारा उसकी खोजबीन की गई, लेकिन गणपतसिंह नहीं मिलने पर 28 अगस्त 2024 को सरहद माण्डोली में कोलाया नाडा जाने वाले ग्रेवल सड़क पर उनकी मोटरसाइकिल सहित लाश मिली। जिसके सिर में गम्भीर चोट मार कर हत्या की गई है। इस पर रिपोर्ट रामसीन पुलिस थाना में दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। प्रकरण की गंभीरता एवं घटना का काफी समय से खुलासा नहीं होने से प्रकरण की जांच भुपेन्द्रसिंह आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक त्वरित अनुसंधान निस्तारण दल जालोर के जिम्मे की जाकर उनके नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीमों द्वारा घटना की जांच करते हुये संदिग्धों पर निगरानी रखकर मोबाइल नबंरो की कॉल डिटेल का पुन: विश्लेषण किया जाकर प्रकरण में गजेन्द्रसिंह पुत्र सुरेन्द्रसिंह, वागाराम पुत्र कानाराम भील एवं लच्छु देवी पत्नी सवाराम चौधरी सभी निवासी माण्डोली थाना रामसीन को दस्तयाब कर घटना कारित करना स्वीकार करने पर प्रकरण में गिरफ्तार किये गये हैं।

जालोर में गणपतसिंह हत्याकांड का पर्दाफाश होने पर रानीवाड़ा विधायक नारायणसिंह देवल ने भूख हड़ताल पर बैठी मृतक की अस्सी वर्षीय माताजी को ज्यूस पीलाकर धरना समाप्त करवाया।

- **जांच में सामने आया कि अवैध संबंध और ब्लैकमेलिंग इस हत्या की मुख्य वजह बनी**

जांच में सामने आया कि अवैध संबंधों को लेकर लगातार ब्लैकमेलिंग हो रही थी। इसी से परेशान होकर आरोपियों ने मिलकर गणपतसिंह को रास्ते से हटाने की साजिश रची और सुनसान जगह पर ले जाकर सिर पर वार कर हत्या कर दी। पुलिस अब आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है, जिससे मामले में और भी चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है। वहीं जालोर में पिछले उन्नीस दिन से मृतक की अस्सी वर्षीय मां व उनके पुत्र भूख हड़ताल पर थे। मंगलवार को पुलिस ने मामले का पर्दाफाश करने पर रानीवाड़ा के पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र सिंह बालावत, समाजसेवी रामसिंह चारनीम, दिलीपसिंह, करण सिंह, दीपसिंह धनानी ने गणपतसिंह की माताजी व पुत्र को ज्यूस पीलाकर भूख हड़ताल को समाप्त करवाया।

पावटा में कंटेनर से टकराई रोडवेज बस, पांच यात्री घायल

जयपुर से उत्तराखंड के रामपुर जा रही थी राजस्थान रोडवेज की बस

पावटा, (निसं)। जयपुर से उत्तराखंड के रामपुर जा रही राजस्थान रोडवेज की बस मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर ग्राम लाडाकाबास के नजदीक एक कंटेनर के साइड दबाने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के समय बस में करीब चार दर्जन यात्री सवार थे। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया, हालांकि 5 यात्री रोहिताश पुत्र दाताराम निवासी बर्डोद, भवानी पुत्र महेश चन्द निवासी रामपुर, निकिता पुत्री मदन निवासी भूरी भडाज, गगन थापा निवासी चण्डीगढ़, सपना निवासी चण्डीगढ़, अंजू निवासी बानसूर घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए उपजिला अस्पताल पावटा लाया गया। वहां उपजिला अस्पताल पावटा प्रभारी डॉ. रवि बंसल व उनकी टीम द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चलते कंटेनर ने बस को परिचालक साइड से दबा दिया, जिससे बस असंतुलित हो गई और सड़क किनारे रुक गई। बस परिचालक की साइड से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं कंटेनर भी क्षतिग्रस्त हो गया है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में चीख-पुकार सुनाई दी। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुचारू करवाया। बस में सवार अन्य यात्रियों को सुरक्षित दूसरे वाहन से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

आठवें या नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने से धोनी का प्रभाव सीमित हो जाता है और सुझाव दिया कि उन्हें केवल सीएसके की ब्रांड छवि के लिए खिलाना एक गलती होगी। धोनी के संन्यास लेने के बाद उनकी जगह लेने के लिए सैमसन एकदम सही उम्मीदवार हैं। - एबी डीविलियर्स

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी, सीएसके के बल्लेबाजी क्रम को लेकर बोलते हुये।

आज का खिलाड़ी

मिताली राज

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा कि विश्व क्रिकेट में भारत का दबदबा देखना उनका वर्षों पुराना सपना था जो अब सच होता दिख रहा है। उन्होंने हाल के वर्षों में पुरुष, महिला और जूनियर टीमों की सफलता पर गर्व जताया और महिला क्रिकेट के विकास का श्रेय जय शाह को दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज खिलाडी मिताली राज का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का बढ़ता दबदबा उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से वह भारतीय क्रिकेट को विश्व स्तर पर शीर्ष पर देखना चाहती थीं।

क्या आप जानते हैं ?... रोहित शर्मा वनडे में एक ओपनर के रूप में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी और टी-20 में सबसे ज्यादा 6 छक्के लगाने का रिकॉर्ड।

साबित करना था केरल का लड़का भी जीत सकता है : संजू सैमसन

नई दिल्ली, 17 मार्च। भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने सोमवार को कहा कि मौजूदा भारतीय टीम निजी उपलब्धियों से अधिक सामूहिक सफलता को प्राथमिकता देती है। उन्होंने इसे ड्रेसिंग रूम में टीम के नेतृत्व समूह द्वारा अपनाई गई एक अहम रणनीति बताया। टी20 विश्व कप के टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे सैमसन ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि टीम के भीतर निजी रिकॉर्ड बनाने के बजाय मैच जीतने पर अधिक जोर दिया जाता है। सैमसन ने कहा, "अब हर कोई इसी तरह सोच रहा है।

यह हमारे कप्तान और कोच द्वारा ड्रेसिंग रूम में सोच समझकर लिया गया फैसला था। हमारे नेतृत्व समूह की ओर से टीम को लगातार यही संदेश दिया जाता है कि टीम सबसे पहले आनी चाहिए और निजी उपलब्धियां दूसरे नंबर पर।" उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बीच इस सोच को बार-बार दोहराया गया है। सैमसन ने कहा, "यह बात अपने आप ही हर एक खिलाड़ी के मन में बैठ गई और इसी तरह हमने हर मैच में प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया।" सैमसन ने कहा कि क्रिकेट खेलते समय उन्होंने हमेशा खुद के प्रति ईमानदार रहना पसंद किया है और उनका मानना है कि टीम की सफलता में योगदान देना ही इस खेल का सबसे अहम पहलू है। केरल में जन्मे इस क्रिकेटर ने कहा कि जब से उन्होंने कम उम्र में केरल की ओर से अलग-अलग आयु वर्ग के टूर्नामेंट में खेलना शुरू किया था तभी से वह क्रिकेट को एक टीम खेल के तौर पर देखते आए हैं।

उन्होंने कहा, "अंडर-13 के दिनों में केरल के लिए खेलने से लेकर आज तक मैं क्रिकेट को हमेशा एक टीम खेल के तौर पर ही देखता हूं। हम जीतने के लिए खेलते हैं। और उस जीत के लिए आप जो कुछ भी करते हैं, उससे सबसे पहले टीम को ही फायदा होना चाहिए।" सैमसन ने एक ऐसे क्रिकेटर के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों के बारे में भी बात की जो केरल से आता है और देश के लिए सर्वोच्च स्तर पर खेलता है। उन्होंने कहा कि कई युवा खिलाड़ी उनके सफर को बहुत करीब से देखते और फॉलो करते हैं।

न्यूजीलैंड ने दूसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को हराया

नई दिल्ली, 17 मार्च। न्यूजीलैंड ने दूसरे टी-20 मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 68 रन से हराकर सीरीज में वापसी कर ली है। इस जीत के साथ ही 5 मैचों की सीरीज अब 1-1 से बराबरी पर आ गई है। पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने कीवियों को 91 रन पर ऑलआउट कर जीत हासिल की थी। सीरीज का तीसरा मैच 20 मार्च को ऑकलैंड में खेला जाएगा। मंगलवार को हैमिल्टन में खेले गए मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में छह विकेट पर 175 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर ऑलआउट हो गई।

डेवोन कॉन्वे ने 60 रन बनाए न्यूजीलैंड के लिए टॉम लैथम ने पारी की शुरुआत की, लेकिन वह सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद टिम रॉबिन्सन 1, निक केली 21, कप्तान मिचेल सैंटनर 20 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, दूसरे ओपनर डेवोन कॉन्वे ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 49 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 60 रन बनाए। इसके बाद आखिरी में कोल मैकॉन्ची और जोश क्लार्कसन ने टीम को 175 रन तक पहुंचा दिया। क्लार्कसन ने 9 बॉल पर नाबाद 26 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका के लिए ब्योर्न फोर्टुइन ने 2 विकेट लिए। जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, ब्योर्न हैंड्रिक्स और ओटनील बार्टमैन को 1-1 विकेट मिला। साउथ अफ्रीका 107 रन पर ऑलआउट 176 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। 67 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट गई। जॉर्ज लिंडे ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए, जबकि 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। साउथ अफ्रीका की पूरी टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड के लिए बेन सियर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने 3-3 विकेट झटके। इसके अलावा मिचेल सैंटनर ने 2 विकेट लिए। कोल मैकॉन्ची और जिमी नीशम ने 1-1 विकेट मिला।

आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी को लगा बड़ा झटका

जोश हेजलवुड शुरुआती मैचों से बाहर!

नई दिल्ली, 17 मार्च। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड के 2026 के शुरुआती मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलने की संभावना कम है क्योंकि वे मैच फिटनेस हासिल नहीं कर पाए हैं। हेजलवुड को अभी तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ से आगामी सीजन के लिए आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड फिलहाल रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी और एसआरएच के बीच होने वाले आईपीएल 2026 के पहले मैच के लिए हेज़लवुड के समय पर मैच फिटनेस हासिल करने की कोई संभावना नहीं है। आरसीबी के एक अधिकारी के अनुसार कि पिछले सप्ताह से कुछ खास बदलाव नहीं हुआ है। फिजियो से मंजूरी का इंतजार है। रिहैबिलिटेशन जारी है। जोश हेज़लवुड और पैट कमिंस दोनों ही शुरुआती कुछ मैचों के लिए समय पर उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। अधिकारी ने आगे कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज की भूमिका बहुत कम रहने की उम्मीद है। लेकिन सब कुछ फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करता है। जैसे ही हेज़लवुड को क्लीयरेंस मिल जाएगा, वह भारत जाने के लिए फिट हो जाएंगे।

एमसीसी ने सलमान के रनआउट को सही ठहराया

नई दिल्ली, 17 मार्च। क्रिकेट के नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने सलमान आगा के विवादित रनआउट पर अंपायर के फैसले को सही ठहराया है। संस्था ने कहा कि इस मामले में नॉट आउट देने का कोई आधार नहीं था, क्योंकि बल्लेबाज क्रीज से बाहर था और बॉल डेड नहीं हुई थी। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने आगे कहा- खिलाड़ियों की टक्कर से गेंद डेड नहीं होती। इस स्थिति में अंपायर कुछ अलग फैसला नहीं दे सकते थे। उसके अनुसार अगर टक्कर से गेंद डेड मान ली जाए तो खिलाड़ी इसका गलत फायदा उठा सकते हैं। 13 मार्च को पाकिस्तान और बांग्लादेश के दूसरे वनडे मैच में सलमान आगा के रनआउट पर विवाद हो गया था। मैच के बाद सलमान ने कहा था- 'अगर वे फील्डिंग कर रहे होते तो खेल भावना को प्राथमिकता देते।' इसके बाद स्पिरिट ऑफ क्रिकेट पर बहस शुरू हो गई।

कोडाई क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 17 मार्च। अंडर-12 पिंकसिटी कप में कोडाई क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 300 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाएं। हर्षित सैनी ने 152 और अथर्व ने 38 रनों का योगदान दिया।

आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से अथर्व गुप्ता, रियांश पांडे और शौर्य भारद्वाज ने दो-दो विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब 20 ओवर में 67 रन पर ऑल आउट हो गई। मानस ने सर्वाधिक 28 रनों का योगदान दिया। कोडाई क्रिकेट अकादमी की ओर से गोपाल शास्त्री ने 5 और सम्यक जैन ने दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच हर्षित सैनी को चुना गया।

विमेंस वनडे रैंकिंग में मंधाना नंबर-1 पर कायम

नई दिल्ली, 17 मार्च। महिला वनडे रैंकिंग में भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने नंबर-1 स्थान बरकरार रखा है, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गई हैं। मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में हरमनप्रीत को जहां एक स्थान का फायदा हुआ, वहीं न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन दो पायदान नीचे खिसककर 9वें स्थान पर पहुंच गई हैं। जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मेडि ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 94 रन की शानदार पारी खेलकर बड़ा फायदा उठाया। उनकी टीम ने यह मैच 200 रन से जीता और सीरीज 3-0 से अपने नाम की। ग्रीन 5 स्थान की छलांग लगाकर 17वें नंबर पर पहुंच गई हैं, उनके 610 रेटिंग पॉइंट्स करियर के सर्वश्रेष्ठ हैं। अमेलिया केर ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अंतिम वनडे में 80 रन बनाए और 5 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद की कमान ईशान किशन को!

नई दिल्ली, 17 मार्च। पैट कमिंस की फिटनेस को लेकर अनिश्चितता के चलते भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आगामी आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी के प्रबल दावेदार हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एसआरएच प्रबंधन ने इस मामले पर पहले ही चर्चा कर ली है और कमिंस की अनुपस्थिति में किशन को टीम की कप्तानी के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में चुना गया है। किशन ने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया था और उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में अर्धशतक भी जड़ा था। कमिंस, जो 2025-26 एशेज सीरीज के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए थे, तब से कोई क्रिकेट नहीं खेले हैं और फ्रेंचाइजी को कथित तौर पर यह स्पष्ट नहीं है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कब खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। अभिषेक शर्मा, जो पिछले सात सीज़न से एसआरएच टीम का हिस्सा हैं, कप्तानी के दावेदारों में शामिल थे। हालांकि, 24 वर्षीय अभिषेक को यह मौका अपने भारतीय साथी खिलाड़ी ईशान किशन से नहीं मिला, क्योंकि ईशान किशन का नेतृत्व का रिकॉर्ड शानदार है।

आरपीसी कप टूर्नामेंट

टीम जयपुर ने नाहरगढ़ को हराकर जीता टूर्नामेंट का पहला मैच

जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आरपीसी कप (आउट ऑफ हैट) टूर्नामेंट का पहला मैच मंगलवार को खेला गया। यह मैच टीम जयपुर और नाहरगढ़ के बीच आयोजित हुआ, जिसमें टीम जयपुर विजेता रही। टीम जयपुर ने टीम नाहरगढ़ को 7-5.5 के स्कोर से शिकस्त दी। विजेता टीम जयपुर से महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अकेले 6 गोल हासिल किए। वही, टीम के लिए रघुराम हरि ने 1 गोल किया। टीम के अन्य खिलाड़ियों में नरेंद्र सिंह/योगेंद्र सिंह और शुभम गुप्ता भी शामिल थे। दूसरी ओर, टीम नाहरगढ़ की ओर से मयूरध्वज सिंह तलबगांव ने 2 गोल, सिद्धांत सिंह और तरुण बिलवाल ने 1-1 गोल किया। टीम में बलबीर सिंह भी शामिल रहे। मैच के दौरान टीम नाहरगढ़ को 1.5 गोल का एडवांटेज प्राप्त हुआ। बुधवार 18 मार्च को टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 5 बजे से खेला जाएगा। यह मैच जयपुर और जयगढ़ के बीच खेला जाएगा।

सचिन का शानदार शतक

नीरजा मोदी सेमीफाइनल में

जयपुर, 17 मार्च। 4 स्टेट लेवल नन्हें खा मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज संस्कार ग्राउंड पर खेले गए मैच में नीरजा मोदी एकेडमी ने टाइगर्स क्लब को 2 विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टाइगर्स क्लब के शिफ़ान खान ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 18 छक्के, 17 चौके की सहयोग से शानदार बल्लेबाजी करते हुए 201 रन बनाए। ध्रुव वशिष्ठ 30 रन , ऋत्विक 20, सचिन मीणा 15 रन सहयोग से 34 ओवर में 313 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। नीरजा मोदी की ओर से गेंदबाजी करते हुए सचिन देव सिंघल 3, निखिल कोहली 2, अमित वर्मा 2, विवेक सैनी - यशवर्धन सिंह ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए नीरजा मोदी के सलामी बल्लेबाज सचिन देव सिंघल ने 7 छक्के , 22 चौके की सहायता से शानदार बल्लेबाजी करते हुए 183 रन बनाए ओर अपनी टीम को जीत दिलाई। दक्ष कासलीवाल 63, अनिरुद्ध सिंह 20 रन के सहयोग से 42.5 ओवर में 8 विकेट पर 314 रन बनाकर जीत दर्ज की, सेमी फाइनल में प्रवेश किया। आज के मैन ऑफ़ द मैच सचिन देव सिंघल रहे।

मोरोको आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप में राजस्थान की महिला खिलाड़ियों ने मारी बाजी

जयपुर, 17 मार्च। नेशनल राईफल एसोसिएशन द्वारा सलैक्शन ट्रायल में राजस्थान की महिला खिलाडियो ने अपना बहतरीन प्रदर्शन करते हुये टॉप खिलाडियो की सूची में अपना नाम दर्ज कराते हुये आईएसएसएफ वर्ल्ड कप मोरोको 2026 प्रतियोगिता के लिये चयनित हुई है। सम्पूर्ण भारत से खिलाडियो को सलेक्शन ट्रायल के आधार पर चुना जाता है और देश की तरफ से टॉप तीन खिलाडियो को चयनित करके अन्तर्राष्टीय प्रतियोगिताओ के लिये भेजा जाता है। इसमें प्रथम बार राजस्थान की तीन ओलंपियन महेश्वरी सिंह चौहान, दर्शना राठौड और यशस्वी राठौड ने बाजी मारी है। यशस्वी व दर्शना राठोड दोनो सगी बहने है। यह प्रतियोगिता दिनांक 25 मार्च से 4 अप्रैल तक मोरोको में आयोजित हो रही है।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने रियल कश्मीर एफसी के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की

जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान यूनाइटेड एफसीने आईएफएल 2025-26 सीज़न के अपने चौथे मैच में रियल कश्मीर एफसीके खिलाफ 1-0 की महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। निर्णायक क्षण हाफ-टाइम से ठीक पहले आया, जब अमादौ सौकोना ने 45वें मिनट और अतिरिक्त समय में गोल करके राजस्थान यूनाइटेड एफसीको ब्रेक से पहले एक महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी।

सौकोना के शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार भी मिला। टीम ने दूसरे हाफ में अपनी बढ़त बनाए रखने और तीनों अंक हासिल करने के लिए मजबूत रक्षात्मक अनुशासन और संयम का प्रदर्शन किया। मैच में मुकेश पारेख, आशुतोष पंत, योगेश वोहिगा, केके टाक, रोशनी टाक, दिलीप सिंह, राजिंदर यादव और प्रिप्यात शर्मा जैसे गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, जो टीम का समर्थन करने के लिए आए थे।

मुख्य कोच विक्रांत शर्मा ने कहा, यह एक हकदार जीत थी। खिलाड़ियों ने खेल की रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू किया, खासकर बढ़त लेने के बाद रक्षात्मक मजबूती बनाए रखने में। सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है, और हम आगे बढ़ते रहेंगे।

टीम के कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठकुरी ने टिप्पणी की, यह हमारे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण जीत है। टीम ने जबरदस्त एकता और दृढ़ संकल्प दिखाया। हम इस आत्मविश्वास को अगले मैच में ले जाएंगे और एक और मजबूत प्रदर्शन का लक्ष्य रखेंगे। राजस्थान यूनाइटेड एफसीका अगला मुकाबला 26 मार्च 2026 को डायमंड हार्बर एफसीसे होगा, जहाँ वे इस महत्वपूर्ण जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेंगे।

इंडो-थाईलैंड अंतर्राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज में भारत का शानदार प्रदर्शन

पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में जीता स्वर्ण पदक

पटाया (थाईलैंड), 17 मार्च। इंडो-थाईलैंड अंतर्राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज 2025-26 में भारतीय टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी श्रेष्ठता साबित की। 11 से 15 मार्च 2026 तक पटाया सिटी यूथ सेंटर स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारतीय पुरुष एवं महिला दोनों टीमों ने मेज़बान थाईलैंड को सभी तीनों टेस्ट मैचों में पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किए। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान की प्रतिभाशाली खिलाड़ी हर्षिता स्वामी भारतीय महिला टीम की सदस्य के रूप में शामिल रहीं और टीम की इस ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

ई-निविदा 32/2025-26

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Farm Machinery for CoA CDFT & ARSS Samdari की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN NO.: JAU2526GLOB00240
EPROC ID: 2026_AGUJD_546082_1
राज.संवाद/सी/25/22665 नियंत्रक (वित्त)

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर
महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण, ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- 4742 - 58 दिनांक :- 12/03/2026

ई-निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण टर्मिनल मार्केट मुहाना में इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित किये जाने हेतु निविदा अनुसार प्रयोगशाला (Food Testing Labouratory) उपकरण क्रय किये जाने हेतु ऑनलाईन निविदा संख्या 33/2025-26 आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व शर्ते sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in, https://agriculture.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है व eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा संख्या 33/2025-26 हेतु दिनांक 13.03.2026 से दिनांक 24.03.2026 सांय 6:00 बजे तक निविदा दरे प्रस्तुत कर भाग लिया जा सकता है।
UBN No.- DAM2526GLOB01462 सचिव
राज.संवाद/सी/25/22679 कृ.उ.म.स. (फ.स.) जयपुर

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/292-294 Date :- 12/03/2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 86/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यों की कुल लागत	रूपये 293.43 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	14.03.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 01.04.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	14.03.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 01.04.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	02.04.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526WSOB00475 To ITU2526WSOB00481 अधिशाषी अभियन्ता - विद्युत
राज.संवाद/सी/25/22654 उदयपुर विकास प्राधिकरण

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(टी डब्ल्यू शाखा), नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर- 342003
दूरभाष : 0291-2742336 फैक्स :- 0291-2745259

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	यूबीएन नंबर
789	टी.एन.टी.डब्ल्यू.-789 के तहत 33 के.वी. नेवा फीडर से टी-ऑफ करके ए.सी.एस.आर डॉग कंडक्टर द्वारा 17.00 किलोमीटर सिंगल सर्किट ओवरहेड 33 के.वी. लाइन, 02 संख्या 33/11 के.वी. सब-स्टेशन आई.जी.एन.पी.-II और आई.जी.एन.पी.-III, ए.सी.एस.आर रैबिट कंडक्टर के साथ 110.65 किलोमीटर सिंगल सर्किट ओवरहेड 11 के.वी. लाइन और बाप क्षेत्र में टर्नकी आधार पर 53 संख्या 11/0.4 के.वी. सब-स्टेशन, ए.ई.एन (ओ एंड एम) बाप, फलोदी वृत्त, जोधपुर डिस्कॉम, के अधीन, आई.जी.एन.पी. डिपोजिट कार्य हेतु पदार्थ आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग हेतु टर्नकी आधार पर करने के लिए अल्पकालिक निविदा आमंत्रित की जाती है।	JVV2526 WLOB00940

अन्य विवरण जैसे निविदा मूल्य धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं। निविदा कर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाइन www.eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्यन्न कर ले।
सूचना :- भविष्य इन निविदाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन, तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध करायी जायेगी।
राज.संवाद/सी/25/22649 अधीक्षण अभियन्ता (टीडब्लू)
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय नगरपालिका मण्डल -तखतगढ़, जिला - पाली
क्रमांकःन.पा.त./स्टोर/ई-निविदा/2026-27/7491 दिनांक : 12.03.2026

॥ ई-निविदा सूचना संख्या ॥

नगरपालिका तखतगढ़ (पाली) की ओर से निम्न कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में विभिन्न राजकिय विभागों एवं मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारो से ई-निविदा द्वारा विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी का होगा। निविदा की विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाईड www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB Code- DLB2526B2988

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाखो में)	धरोहर राशि (2 प्रतिशत)	निविदा शुल्क	कार्य अवधि	UBN
1	पालिका कार्यालय में कुशल एवं अद्धकुशल श्रमिक वार्षिक अनुबन्ध पर आपूर्ति कार्य।	15.00	30000/-	1000/-	1 वर्ष	DLB2526WSOB38627

कुल निविदा के कार्य	1 (एक)
निविदा की अनुमानित लागत	राशि रू. 15.00 लाखों में
निविदा जारी करने की दिनांक व समय	13-03-2026 Time 10.00 AM
निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	14-03-2026 Time 10.00 AM
निविदा दस्तावेजों को जमा करवाने/अपलोड करने हेतु शुरूआती दिनांक व समय	14-03-2026 Time 10.00 AM
निविदा दस्तावेजों को जमा करवाने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	23-03-2026 Time 4.00 PM
तकनिकी बिड खोलने की दिनांक व समय	24-03-2026 Time 10.00 AM
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	Will be Intimated letter to the technically qualified bidders
बिड की वैधता समयावधि	365 दिन

1. निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते वेब साईड www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. निविदा शुल्क व अमानत राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका तखतगढ़ के नाम देय होगी एवं ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क रू. 500/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट MD. RISL जयपुर के नाम देय होगा। निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का ड्राफ्ट अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका तखतगढ़ कार्यालय में दिनांक 23.03.2026 को 4.00 pm तक जमा करवाना आवश्यक होगा।
3. डिमाण्ड ड्राफ्ट या बैंकर चैक निविदा प्राप्ति दिनांक के पश्चात की ही मान्य होगा।
4. राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 व 2013 के सभी नियम एवं शर्ते लागू होगी।
5. निविदा स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के पास सुरक्षित रहेगा।
6. उक्त निविदा में भाग लेने वाले संवेदक द्वारा IT ACT 2000 के तहत डिजिटल हस्ताक्षर के जरिये उपरोक्त वेबसाईड में भाग लिया जायेगा।
7. अन्य शर्ते कार्यालय समय में स्टोर शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/22619 नगर पालिका तखतगढ(पाली)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल -तखतगढ़, जिला - पाली
क्रमांकःन.पा.त./स्टोर/ई-निविदा/2026-27/7497 दिनांक : 12.03.2026

॥ ई-निविदा सूचना संख्या ॥

नगरपालिका तखतगढ़ (पाली) की ओर से निम्न कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में विभिन्न राजकिय विभागों एवं मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारो से ई-निविदा द्वारा विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी का होगा। निविदा की विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाईड www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB Code- DLB2526B2987

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाखो में)	धरोहर राशि (2 प्रतिशत)	निविदा शुल्क	कार्य अवधि	UBN
1	शहर की सफाई व्यवस्था हेतु वार्ड सं. 1 से 12 तक श्रमिक आपूर्ति कार्य	30.00	60000/-	1000/-	1 वर्ष	DLB2526WSOB38622
2	शहर की सफाई व्यवस्था हेतु वार्ड सं. 13 से 25 तक श्रमिक आपूर्ति कार्य	30.00	60000/-	1000/-	1 वर्ष	DLB2526WSOB38624

कुल निविदा के कार्य	2 (दो)
निविदा की अनुमानित लागत	राशि रू. 60.00 लाखों में
निविदा जारी करने की दिनांक व समय	13.03.2026 Time 10.00 AM
निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	14.03.2026 Time 10.00 AM
निविदा दस्तावेजों को जमा करवाने/अपलोड करने हेतु शुरूआती दिनांक व समय	14.03.2026 Time 10.00 AM
निविदा दस्तावेजों को जमा करवाने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	23.03.2026 Time 4.00 PM
तकनिकी बिड खोलने की दिनांक व समय	24.03.2026 Time 10.00 AM
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	Will be Intimated letter to the technically qualified bidders
बिड की वैधता समयावधि	365 दिन

1. निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते वेब साईड www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. निविदा शुल्क व अमानत राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका तखतगढ़ के नाम देय होगी एवं ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क रू. 500/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट MD. RISL जयपुर के नाम देय होगा। निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का ड्राफ्ट अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका तखतगढ़ कार्यालय में दिनांक 23.03.2026 को 4.00 pm तक जमा करवाना आवश्यक होगा।
3. डिमाण्ड ड्राफ्ट या बैंकर चैक निविदा प्राप्ति दिनांक के पश्चात की ही मान्य होगा।
4. राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 व 2013 के सभी नियम एवं शर्ते लागू होगी।
5. निविदा स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के पास सुरक्षित रहेगा।
6. उक्त निविदा में भाग लेने वाले संवेदक द्वारा IT ACT 2000 के तहत डिजिटल हस्ताक्षर के जरिये उपरोक्त वेबसाईड में भाग लिया जायेगा।
7. अन्य शर्ते कार्यालय समय में स्टोर शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/22618 नगर पालिका तखतगढ(पाली)

जेजेएम योजना में कांग्रेस ने प्रदेशवासियों के साथ बड़ा धोखा किया- भजनलाल

युवा शक्ति दिवस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार करने वालों में किसी को नहीं बख्शा जाएगा

जयपुर, 17 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम दिन-रात, 24 घण्टे जनता की सेवा के लिए हैं तथा जनता की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी जेजेएम योजना में कांग्रेस के लोगों ने प्रदेशवासियों से बड़ा धोखा किया, इनके मंत्री ने कुठाराघात किया। इसमें लिप्त भ्रष्टाचार के कारण इनके मंत्री भी जेल जाकर आ चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन्होंने भी भ्रष्टाचार किया है, उनमें से किसी को भी

> ■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि कांग्रेस ने 5 साल में 4148 घोषणाएं कीं, लेकिन सिर्फ 1900 को पूरा किया। वहीं, हमने 2 साल में 2719 घोषणाएं कीं और 2465 को पूरा किया।

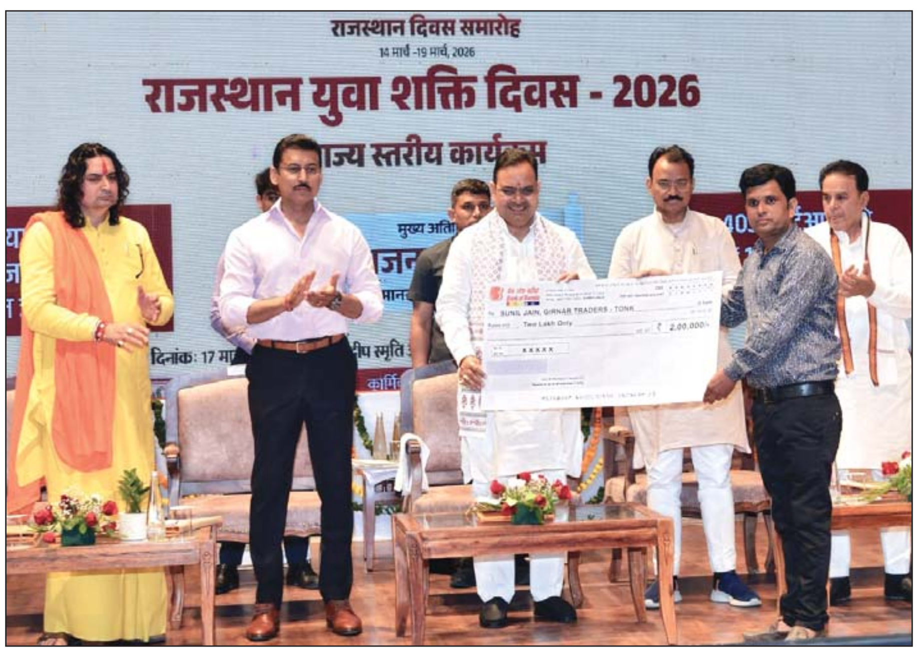

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में "राजस्थान युवा शक्ति दिवस" कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के प्रथम लाभार्थी को चेक सौंपे।

नहीं बख्शा जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह बात मंगलवार को मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित "राजस्थान युवा शक्ति दिवस" को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पांच साल में 4148 घोषणा कीं, लेकिन सिर्फ 1900 को पूरा किया। वहीं, हमने दो साल में 2719 घोषणा कीं और 2465 को पूरा किया। विधानसभा में भी जब दो साल बनाम पांच साल के प्रतिवेदन पर चर्चा करनी थी तो कांग्रेस वहां से भी बिना चर्चा किए भाग गई। कांग्रेस के लोगों का जनता से कोई सरोकार नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग मेरा विरोध करते हुए कहते हैं कि इतना दिल्ली क्यों जाते हैं। मैं जब भी दिल्ली जाता हूं, प्रदेशवासियों के लिए कुछ न कुछ लेकर ही आता हूं। लेकिन आप सरकार बचाने के लिए दिल्ली जाते थे और दो-दो महीने होटलों में रहते थे। उन्होंने कहा कि वे विपक्ष के कहने पर नहीं चलेंगे। राजस्थान की जनता के लिए जो भी करना पड़ेगा, वो हम करेंगे। उनके कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। शर्मा ने कहा कि हमें तो काम करने की शक्ति भी ईश्वर देता है और हमारे मंत्रिमण्डल के साथी तथा सभी जनप्रतिनिधि राजस्थान के लोगों की सेवा में दिन-रात जुटे हुए हैं।

चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल की हर सीट पर एक पर्यवेक्षक तैनात करेगा

कोलकाता, 17 मार्च। भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर व्यापक प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। ?

आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत, पांच राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में कुल 557 सामान्य पर्यवेक्षक, 188 पुलिस पर्यवेक्षक और 366 व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त करने की घोषणा की है।

इन राज्यों में पश्चिम बंगाल के अलावा, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त,

> ■ शेष अन्य राज्यों जहां चुनाव होने जा रहे हैं वहां भी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए भी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है।

पश्चिम बंगाल इस सूची में सबसे खास है, जहां सभी 294 विधानसभा सीटों के लिए अलग-अलग सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। यह संख्या राज्य की कुल सीटों के बराबर है, जबकि अन्य राज्यों में सामान्य पर्यवेक्षकों की संख्या वहां की कुल सीटों से कम रखी गई है।

सुरक्षा के लिहाज से भी पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 84 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। इसके मुकाबले, तमिलनाडु में 40, असम में 35, केरल में 17 और पुडुचेरी में चार पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

ट्रम्प के करीबी अधिकारी ने ईरान युद्ध के विरोध में इस्तीफा दिया

नैशनल काउंटर टैररिज़्म सैंटर के प्रमुख जोसैफ कंेट ने कहा अन्तरात्मा की आवाज पर इस्तीफा दिया है

वॉशिंगटन, 17 मार्च। ईरान के खिलाफ शुरू हुआ युद्ध अब ट्रंप को ही भारी पड़ने लगा है। पहले अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर ट्रंप इसे लेकर अकेले पड़ गए, अब उनके अपने ही घर में इसका विरोध शुरू हो गया है। अमेरिका के नेशनल काउंटरटेररिज्म सेंटर के प्रमुख जोसेफ केंट ने ईरान युद्ध के विरोध में इस्तीफा दे दिया है।

जोसेफ केंट ने कहा कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर ईरान युद्ध का समर्थन नहीं करने का निर्णय लिया है।

केंट ने आरोप लगाया कि ईरान से अमेरिका को कोई खतरा नहीं था और ट्रंप ने केवल इज़रायल के दबाव में युद्ध शुरू कर दिया।

जोसेफ केंट ने ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति को पता था कि मिडिल ईस्ट में हुए युद्धों ने केवल अमेरिकियों की जान ली है और देश की संपत्ति खत्म हुई है। लेकिन ट्रंप को गुमराह करने के लिए एक इको चैंबर का इस्तेमाल किया गया।

> ■ कभी ट्रम्प के बेहद करीबी रहे केंट ने ट्रम्प पर गंभीर आरोप लगाए कि अमेरिकी राष्ट्रपति को पता था ईरान से कोई खतरा नहीं है, उन्होंने सिर्फ इज़रायल के दबाव में युद्ध शुरू किया।

केंट ने लिखा, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इस बात पर विचार करेंगे कि हम ईरान में क्या कर रहे हैं और हम यह किसके लिए कर रहे हैं।

साहसी कदम उठाने का समय अब है। आप अपना रास्ता बदल सकते हैं और हमारे देश के लिए एक नया मार्ग तय कर सकते हैं या आप हमें और अधिक पतन और अराजकता की ओर फिसलने दे सकते हैं। फैसले की बागडोर आपके हाथों में है।

बता दें कि केंट के दक्षिणपंथी चरमपंथियों से संबंध रहे हैं और वे एक राजनीतिक उम्मीदवार भी थे। नेशनल काउंटरटेररिज्म सेंटर आतंकवादी खतरों का विश्लेषण करने और उनका पता लगाने वाली एजेंसी है।

अफगानिस्तान में पाकिस्तान ने अस्पताल पर बमबारी की

इस हमले में 400 से ज्यादा लोग मारे गए, 250 घायल हो गए

काबुल, 17 मार्च। पाकिस्तान के हवाई हमलों में अफगानिस्तान में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है, वहीं 250 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं।

स्थानीय मीडिया टोले न्यूज के मुताबिक, काबुल के एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हवाई हमले में 400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और 250 से ज्यादा घायल हैं।

यह कथित हमला अफगान अधिकारियों के उस बयान के कुछ घंटे बाद हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों पक्षों के बीच उनकी साझा सीमा पर गोलीबारी हुई, जिसमें अफगानिस्तान में चार लोग मारे गए। यह लड़ाई, इन पड़ोसी देशों के बीच सालों से सबसे घातक लड़ाई है, जो अब तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है।

रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान की सेना ने हाल ही में काबुल के 9वें पुलिस जिले में एक नशा मुक्ति केन्द्र पर हमला किया था, जिसमें भारी जान-माल का नुकसान हुआ था।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने एक बार फिर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लघंन किया है और काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया है, जिससे वहां इलाज करा रहे लोगों की मौत हुई है और वे घायल हुए हैं। हम इस अपराध की कड़ी निंदा करते हैं।

> ■ भारत सरकार ने इस हमले के लिए पाकिस्तान की कड़ी निंदा की तथा इसे कायराना हरकत और जनसंहार करार दिया।

वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि काबुल में किसी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया।

भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अस्पताल पर हुए हमले को लेकर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है।

भारत ने इस हमले को कायरतापूर्ण और जनसंहार करार दिया है।

डाक विभाग ने गारन्टी वाली स्पीड पोस्ट सेवा शुरु की

नई दिल्ली, 17 मार्च। केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश के 6 प्रमुख शहरों में 24 और 48 घंटे में गारंटीकृत वितरण देने वाली डाक विभाग की नई सेवाओं '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' और '48 स्पीड पोस्ट' का शुभारंभ किया। इन सेवाओं के तहत, अब दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में रिकॉर्ड समय में पार्सल पहुंचाया जाएगा। देरी होने की स्थिति में उपभोक्ता को पूरा शुल्क वापस किया जाएगा।

डाक विभाग के यहां मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी और विभाग की सचिव वंदिता कौल भी मौजूद रहीं।

> ■ नई सेवाओं में 24 और 48 घंटे में पार्सल पहुंचाया जायेगा।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि देश के 6.5 लाख गांवों, हर तहसील और तालुका में यदि परिवार के सदस्य से भी अधिक किसी संस्था पर भरोसा किया जाता है, तो वह ग्रामीण डाक सेवा है। सिंधिया ने कहा कि यह सेवा डाक विभाग के लिए एक नए युग की शुरुआत है।

प्र.मंत्री मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति से फोन पर बात की

नई दिल्ली, 17 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल-नहयान से फोन पर बात की और पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूएई पर हमलों की एक बार फिर निंदा की। इन हमलों में आम लोगों की जान गई और नागरिक बुनियादी ढ ांचे को नुकसान पहुंचा। दोनों नेताओं ने हॉर्मुज़ स्ट्रेट में सुरक्षित और स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमति जताई और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने के लिए साथ काम जारी रखने की बात कही।

बंगाल के बाद असम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव आयोग ने पूर्वोत्तर राज्य के कोकराझार, माजुली, बक्सा, चिरांग और उदलगुड़ी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों को हटाने का भी आदेश दिया है। एक अन्य घटनाक्रम में, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी मनजीत सिंह को असम के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है, जो चुनाव प्रक्रिया के दौरान तैयारियों और प्रशासनिक कामकाज की निगरानी करेंगे। आयोग ने तमिलनाडु में भी इसी तरह की कार्रवाई की है।

राज्य में चुनाव से पहले, चार जिला पुलिस प्रमुखों को हटा दिया गया है। आदेश के अनुसार, डीएन हरिकिरण प्रसाद, डीवी किरण श्रुति, सुजीत कुमार और एन श्रीनाथ को क्रमशः करूर, इरोड, नागपट्टीनम और विरुधुनगर में एसपी के रूप में नियुक्त किया गया है।

तमिलनाडु के मुख्य सचिव से भी बुधवार तक आयोग को अनुपालन रिपोर्ट देने को कहा गया है।

चुनाव आयोग की हालिया कार्यवाहियों से संकेत मिलता है कि चुनाव वाले राज्यों में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल किया जा रहा है, ताकि चुनावी मशीनरी में निष्पक्षता बनाए रखी जा सके।

इससे पहले, आयोग ने पश्चिम बंगाल में बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, गृह सचिव, कोलकाता पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) सहित, कई शीर्ष अधिकारियों को हटा दिया था।

अब गुजरात में लागू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दौरा, जनता से राय-मशविरा, गहन चर्चाएं और सार्वजनिक परामर्श शामिल थे। रिपोर्ट में महिलाओं के समान अधिकारों और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है, साथ ही गुजरात की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट कर कहा कि यह रिपोर्ट गहन अध्ययन और जनसंपर्क पर आधारित है। उन्होंने यूसीसी लागू करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम बताया। उत्तराखंड के बाद गुजरात दूसरा राज्य है जहां यूसीसी की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

असम विधानसभा चुनाव में एनडीए में सीटों का बंटवारा हुआ

भाजपा कुल 89 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी

नई दिल्ली, 17 मार्च। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने आगामी असम विधानसभा चुनाव-2026 को लेकर कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के भीतर सीटों के बंटवारे का फार्मूला लगभग तय हो गया है। इसके तहत, असम गण परिषद (अगप) 26 सीटों पर, बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) 11 सीटों पर और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शेष 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

नई दिल्ली में हुई अहम बैठक के बाद मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि चर्चा मुख्य रूप से भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच गठबंधन की रणनीति और सीटों के तालमेल पर केन्द्रित रही। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से भी साझा की गई है। डॉ. सरमा ने बताया कि बैठक में भाजपा, बीपीएफ और अगप के बीच चुनावी तालमेल को अंतिम रूप देने के साथ-साथ उम्मीदवारों के चयन पर भी विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा का केन्द्रीय संसदीय बोर्ड बुधवार शाम 7 बजे बैठक कर उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, उम्मीदवारों की पहली सूची जल्द ही जारी कर दी जाएगी, संभवतः देर रात या अगली सुबह तक। उन्होंने संकेत दिया कि इस बार सूची में कई नए चेहरों को मौका मिलेगा, जिनमें विशेष रूप से महिलाएं और युवा नेता शामिल होंगे। यह पार्टी के भीतर व्यापक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है। परिसीमन का असर भी इस चुनाव में देखने को मिल सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में हुए परिसीमन के कारण कई निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदली हैं, जिसके चलते कुछ मौजूदा विधायकों के टिकट कट सकते हैं।

> ■ मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा उम्मीदवारों की पहली सूची जल्दी ही जारी कर दी जाएगी।

कांग्रेस ने केरल के 55 प्रत्याशियों की घोषणा की

नई दिल्ली, 17 मार्च। कांग्रेस ने केरल में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 55 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इसमें 20 मौजूदा विधायकों के भी नाम हैं। प्रमुख नामों में सीडब्ल्यूसी सदस्य रमेश चेन्निथला, विपक्ष के नेता वीडी सतीशन और केपीसीसी अध्यक्ष सनी जोसेफ शामिल हैं। सूची में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर (16) से टिकट दिया गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन को परवूर (78) से फिर उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के बेटे चांडी ओम्मेन को पुतुप्पल्ली (98) से टिकट दिया गया है, वे वर्तमान में यहां से विधायक हैं।

'नाटो की मदद नहीं चाहिए अमेरिका अकेला काफी है'

वॉशिंगटन, 17 मार्च। पश्चिम एशिया में ईरान को लेकर बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने नाटो को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को, ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान में नाटो देशों की मदद की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ बड़ी सैन्य सफलता हासिल की है और वह किसी भी सहयोग के बिना भी अपने अभियान को आगे बढ़ा सकता है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि नाटो के कई सहयोगी देशों ने अमेरिका को साफ बता दिया है कि वे ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान में शामिल नहीं होना चाहते। ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस फैसले पर कोई हैरानी नहीं है। उनके अनुसार, नाटो लंबे समय से एकतरफा व्यवस्था बन गया है, जिसमें अमेरिका दूसरे देशों की सुरक्षा पर भारी खर्च करता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर वही देश अमेरिका का साथ नहीं देते।

> ■ अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा अमेरिका नाटो की सुरक्षा पर भारी खर्च करता रहा है। पर जरुरत पड़ने पर ये देश अमेरिका का साथ नहीं देते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू अयोध्या और वृंदावन जाएंगी

मथुरा, 17 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 से 21 मार्च तक तीन दिन उत्तर प्रदेश में रहेंगी। इस दौरान वे अयोध्या, मथुरा और वृंदावन के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाएंगी। वे अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन करेंगी और वृंदावन में संत प्रेमानंदजी महाराज से मिलेंगी। यह उनका वृंदावन का दूसरा दौरा है और वे वृंदावन आने वाली तीसरी राष्ट्रपति होंगी। तय कार्यक्रम के अनुसार, 19 मार्च को राष्ट्रपति सबसे पहले अयोध्या पहुंचेंगी। वहां वे श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन और पूजन करेंगी। वे मंदिर में श्रीराम यंत्र भी स्थापित करेंगी। यह उनके दौरे का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। अयोध्या से सेना के हेलीकॉप्टर से वे वृंदावन आएंगी।

अब अमेरिका इज़रायल ग्रुप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक प्रमुख हस्ती थे, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। लारिजानी एक अनुभवी राजनयिक थे और पश्चिमी देशों के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत में शामिल रहे थे। वे लगभग 11 वर्षों तक ईरानी संसद के स्पीकर भी रहे और देश के शीर्ष अभिजात वर्ग के तौर तरीकों से भली-भांति परिचित थे।

लारिजानी, मारे जा चुके सर्वोच्च नेता खामेनेई के काफी करीबी थे और कूटनीतिक मुद्दों पर ईरान की रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभाते थे। समय के साथ वे एक व्यावहारिक और संतुलित नेता के रूप में उभरे। हालांकि सर्वोच्च नेता की मृत्यु के बाद मौजूदा टकराव में उन्होंने कड़ा रुख अपनाया था। राजनीतिक परिदृश्य से लारिजानी के हटने से अब ऐसे व्यावहारिक नेता ढूंढना और भी मुश्किल हो जाएगा, जिसके साथ अमेरिका-इज़रायल के वार्ताकार बातचीत कर सकें। अब ऐसे लोगों को ढूंढना लगातार मुश्किल होता जा रहा है, जिनके साथ बाहरी दुनिया मौजूदा युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत कर सके।

लारिजानी पांच भाइयों में से एक थे, ये सभी देश की सत्ता व्यवस्था में महत्वपूर्ण पदों आसीन थे और देश की शासन व्यवस्था में इनकी महत्वपूर्ण भूमिकाएं थीं। लारिजानी के भाईयों में से एक ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख थे। उनके अन्य भाई भी अहम पदों पर थे।इस बीच, अली खामेनेई के तत्काल, मुजतबा, उत्तराधिकारी की मृत्यु या अक्षमता को लेकर विरोधाभासी खबरें सामने आ रही हैं। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि वे इलाज के लिए मॉस्को गए हैं, हालांकि, रूस में ईरान के राजदूत ने इन खबरों का खंडन किया है। स्थिति को शांत करने के लिए बैक-चैनल कूटनीति की आवश्यकता और बढ़ गई है, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका खुद को बिल्कुल अलग-थलग पा रहा है। यूरोपीय संघ के नेताओं ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति मामलों की प्रमुख काजा कालास ने स्पष्ट कहा कि अमेरिका ने न तो नाटो और न ही यूरोपीय संघ से सलाह-मशविरा किया था। अब, जब अमेरिका को हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से गुजरने में कठिनाई हो रही है, तो वह यूरोप से मदद मांग रहा है। ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं ने भी अमेरिकी अनुरोध को ठुकरा दिया है, यह कहते हुए कि इस संघर्ष में शामिल होना उनके राष्ट्रीय हित में नहीं है।

ईरान के एक अनुभवी और वरिष्ठ नेता के मारे जाने से ईरान के साथ अनौपचारिक बातचीत शुरु करने की राह में एक और बड़ी बाधा आएगी।

दूसरी ओर, बेंजामिन नेतन्याहू के मारे जाने की भी कुछ खबरें सामने आई थीं, लेकिन ये फर्जी साबित हुई हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को साइबर विशेषज्ञों ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से बनाया हुआ बताया है और उसमें कई स्पष्ट गलतियां पाई गई हैं।

इज़रायल ने यह भी दावा किया है कि ईरान की बसीज फोर्स के प्रमुख की भी मौत हो गई है, यह बल आंतरिक पुलिसिंग और आंतरिक असंतोष को दबाने के काम में लगा हुआ है। बसीज बल का प्रमुख, युद्ध शुरु होने से ठीक पहले प्रदर्शनकारियों के क्रूर दमन और उनकी हत्याओं में शामिल था।

टीएमसी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और शुभेन्दु अधिकारी से हार गई थीं। इस बार वहां से पवित्र कर को उम्मीदवार बनाया गया है, जो आज ही भाजपा छोड़ कर टीएमसी में शामिल हुए हैं। इस सीट पर कड़ा मुकाबला होने की संभावना जताई जा रही है। पवित्र वहां के मौजूदा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बेहद खास माने जाते थे।

भारी अंतर्कलह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायकों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जबकि पांच वोट, चार कांग्रेस के और एक भाजपा का, अमान्य घोषित किए गए। इससे प्रभावी मुकाबला सीमित हो गया और जीत के लिए 28 वोटों की जरूरत तय हुई। भाजपा उम्मीदवार संजय भाटिया ने 39 प्रथम वरीयता वोट हासिल कर पहली सीट आसानी से जीत ली, जिससे 11 वोट सरप्लस रह गए। असल मुकाबला दूसरी सीट पर हुआ, जहां कांग्रेस के करमवीर सिंह बोध ने 28 वोट हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल 16 वोटों के साथ पीछे रह गए। आंकड़े बताते हैं कि मुकाबला कितना करीबी था।

भाटिया के 11 अतिरिक्त वोट, जो दूसरी वरीयता के रूप में ट्रांसफर कर नांदल को 27 वोट तक पहुंचा सकते थे, जो जीत से केवल एक वोट कम होता। अगर कांग्रेस का एक और विधायक क्रॉस-वोट करता या भाजपा का अमान्य वोट वैध रहता, तो निर्दलीय उम्मीदवार चौंकाने वाली जीत हासिल कर सकता था। कांग्रेस की गुटबाजी का पूरा फायदा निर्दलीय उम्मीदवार को मिला। कांग्रेस के 37 विधायकों में से पांच ने कथित रूप से क्रॉस-वोटिंग की और चार वोट अमान्य हो गए - यानी कुल नौ वोट पार्टी के खाते से निकल गए। यह पहला अवसर नहीं है, जब हरियाणा में गुटबाजी ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया हो।

पिछले राज्यसभा चुनाव में किरण चौधरी और कुलदीप बिश्नोई जैसे नेताओं की क्रॉस-वोटिंग के कारण कांग्रेस के अजय माकन की हार हुई थी और निर्दलीय उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा की जीत हुई थी।बाद में वे दोनों नेता भाजपा में शामिल हो गए थे।

वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने अब चेतावनी दी है कि अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई न करने से राज्य में कांग्रेस और कमज़ोर हो सकती है।

गुटीय प्रतिद्वंद्विता के चुनावी रणनीति पर हावी रहने के कारण पार्टी के सामने फिर वही गलतियां दोहराने का खतरा है, खासकर ऐसे समय में, जब हरियाणा में उसके राजनीतिक अस्तित्व के लिए एकता बेहद जरूरी है।

बच्चा गोद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसले में पितृत्व अवकाश की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए केन्द्र सरकार से पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा अवकाश के रूप में मान्यता देने वाला प्रावधान लाने को कहा है।

हाई कोर्ट को फिर बम की धमकी का ई-मेल मिला

पुलिस, बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वॉड की गहन जाँच में कुछ नहीं मिला।

जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। अब तक हाईकोर्ट को एक दर्जन बार इस तरह की धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। मेल मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से पुलिस के उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी गई।

इस पर दौरान जांच एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर हाईकोर्ट की मुख्य बिल्डिंग की गहनता से जांच की। मुख्य परिसर में मौजूद कोर्ट कर्मचारियों सहित अन्य लोगों को बाहर निकाला गया तथा बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। हाईकोर्ट के चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि धमकी भरा ई-मेल हाईकोर्ट प्रशासन की आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजा गया है। फिलहाल जांच पूरी कर ली गई है और जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

> ■ हाई कोर्ट को एक दर्जन बार धमकी मिली है।

आए दिन धमकी भरा मेल मिलने के बाद भी अब तक इसे भेजने वालों की जानकारी नहीं मिल पाई है, जिसके चलते वकीलों में खासी नाराजगी है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने बताया कि कभी यह धमकी वास्तविक घटना में बदल गई तो जान-माल का नुकसान हो सकता है। हाल ही में साइबर सुरक्षा को लेकर आयोजित कार्यशाला में भी हाईकोर्ट को दी जा रही बम ब्लास्ट की धमकियों का मुद्दा उठ चुका है। सीजेआई सूर्यकांत की उपस्थिति में हाईकोर्ट के न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने कहा था कि जिस तरह स्कूल में रोजाना घंटी बजती है, उस तक हाईकोर्ट में बम ब्लास्ट की धमकियां दी जाने लगी है। ऐसे में न्यायिक काम प्रभावित होता है, लेकिन यह ई-मेल कौन और कहां से कर रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट प्रशासन को सबसे पहले गत वर्ष 31 अक्टूबर को बम विस्फोट की पहली धमकी मिली थी। इसके बाद 5 दिसंबर को दूसरी धमकी दी गई। वहीं, 8 दिसंबर से लगातार चार दिनों तक बम ब्लास्ट को लेकर हाईकोर्ट प्रशासन को ईमेल भेजे गए। इसके बाद गत 6 फरवरी, 17 फरवरी, 19 फरवरी, 20 फरवरी और 25 फरवरी को ब्लास्ट की धमकी दी गई थी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:-**राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908